दैनिक

प्रदेश का गौरव

वर्ष- 15 | अंक- 144 | भोपाल, रविवार 22 सितम्बर 2024 | पृष्ठ- 08 | मूल्य- 01 :रूपये

दिल्ली से अयोध्या, सुगम होंगे रामलला के दर्शन!

● रेलवे दे रहा है बड़ी सुविधा,चलाएगा स्पेशल वंदे भारत ट्रेन, ऐलान ● दिल्ली से अयोध्या तक के लिए शुरू की कन्फर्म टिकट की सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कितने ही लोगों का ख्वाब होता है कि वो वंदे भारत जैसी शानदार ट्रेन में सफर करें और अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करें। रेलवे ने इस ख्वाब को हकीकत बनाने के लिए एक अनोखा कदम उठाया है। अब आप न सिर्फ वंदे भारत एक्सप्रेस में आरामदायक सफर का लुत्फ उठा सकते हैं, बल्कि अयोध्या के चर्चित धार्मिक स्थलों का दर्शन भी कर सकते हैं। और हां, इससे वेटिंग लिस्ट की झंझट भी नहीं है। रेलवे ने

वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली से अयोध्या तक कन्फर्म टिकट की सुविधा शुरू की है।

ये खास सर्विस सिर्फ हफ्ते में दो दिन, यानी शुक्रवार और शनिवार को ही मिलेगी। इस पैकेज का फायदा लेने के लिए आपको आईआरसीटीसी के 'रामलला दर्शन अयोध्या' टूर पैकेज के तहत रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 22426 दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से सुबह 6.10 बजे रवाना होती है और दोपहर

1.30 बजे अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचती है। वापसी की ट्रेन नंबर 22425 अयोध्या कैंट से शाम 3.20 बजे चलती है और रात 11.40 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचती है। ट्रेन की रफ्तार और आरामदायक सफर ने इसे दिल्ली-अयोध्या रूट पर सफर करने वालों की पहली पसंद बना दिया है। आईआरसीटीसी का रामलला दर्शन अयोध्या टूर पैकेज अयोध्या के अहम धार्मिक स्थलों के दर्शन कराता है। इसमें रामलला मंदिर, सरयू घाट, हनुमानगढ़ी, और कनक भवन जैसी जगहें शामिल हैं। वंदे भारत के चेयर कार में सफर के साथ-साथ अयोध्या में एक रात होटल में ठहरने की सुविधा भी दी गई है। ये पैकेज खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो आराम के साथ धार्मिक यात्रा करना चाहते हैं।

दो बार की सिफारिश फिर क्यों नहीं हुई जजों की नियुक्ति

● सीजेआई डीवाय चंद्रचूड़ की पीठ ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र से यह जानकारी देने को कहा कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने किन नामों की दोबारा सिफारिश की और

उनकी संख्या कितनी है। न्यायालय ने केंद्र से इस बात का कारण भी बताने को कहा है कि इन नामों पर अब तक विचार क्यों नहीं किया गया और यह स्वीकृति किस स्तर पर लंबित है। यह निर्देश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए केंद्र के लिए एक समय सीमा तय की जाए।

क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने यूएस पहुंचे मोदी

● यूक्रेन युद्ध के अलावा एजेंडे में कैंसर भी शामिल,होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डेलावेयर के विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन 21 सितंबर से शुरू होगा। इसके लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेताओं की वीकेंड पर मुलाकात होने वाली है। क्वाड शिखर सम्मेलन में गाजा और यूक्रेन में संघर्षों पर विचार-विमर्श होगा। इसके अलावा, हिंद

प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा होने की उम्मीद है। क्वाड नेता कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी पर भी विस्तार से चर्चा करने वाले हैं। कैंसर रोगियों और उनके परिवारों पर प्रभाव, इस बीमारी को रोकने, पता लगाने, उपचार करने और इसे कम करने के लिए नई महत्वकांक्षी योजना शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंच गए हैं।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह होंगे नए वायुसेना चीफ

● 30 सितंबर को संभालेंगे कार्यभार वीआर चौधरी की लेंगे जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने नए एयर चीफ की नियुक्ति की घोषणा कर दी है। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह 30 सितंबर को देश के नए एयर चीफ के रूप में कार्यभार संभालेंगे। गौरतलब है कि मौजूदा एयर चीफ वी आर चौधरी 30 सितंबर को ही रिटायर हो रहे हैं। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 1984 में वायुसेना में कमीशन प्राप्त किया था। वो कई अहम पदों को संभाल चुके हैं। वह वाइस एयर चीफ के अलावा सेंट्रल एयर कमांड के ऑफीसर कमांडिंग इन चीफ रह चुके हैं। सरकार ने नए एयर चीफ की नियुक्ति में वरिष्ठता का ध्यान रखा है। एयर मार्शल सिंह एक फाइटर पायलट हैं।

पिछले साल फरवरी में वाइस एयर चीफ बनने से पहले सिंह कई अहम जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। एयर मार्शल सिंह के पास अनेक तरह के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर उड़ाने का अनुभव है। अपने करियर के दौरान उन्होंने ऑपरेशनल फाइटर स्कॉडन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान संभाल चुके हैं। बतौर टेस्ट पायलट वो मॉस्को गए मिग-29 फाइटर अपग्रेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। इसके अलावा वह देसी लड़ाकू विमान तेजस के प्रोजेक्ट डायरेक्टर (फ्लाइट टेस्ट) रह चुके हैं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में चीन और भारत के बीच अरुणाचल से लेकर लद्दाख में काफी तनातनी चल रही है।

म्यांमार से घुसे 900 आतंकी मणिपुर में फिर टेंशन!

फिर से बज गई खतरे की घंटी, बड़े हमले की है साजिश, खुफिया रिपोर्ट में दावा

इंफाल (एजेंसी)। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार से करीब 900 आतंकवादी मणिपुर में घुस आए हैं और वे किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश कर रहे हैं। इसकी पुष्टि मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने भी की है। उन्होंने कहा कि कुकी आतंकवादियों के खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। म्यांमार से सटे पहाड़ी इलाके में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। यह इलाका कुकी बहुल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक म्यांमार से घुसपैठ करने वाले ये आतंकी ड्रोन चलाने में भी माहिर हैं। कुलदीप सिंह ने कहा कि इस खुफिया रिपोर्ट को हलके में नहीं लिया जा सकता है। खुफिया रिपोर्ट को सभी जिलों के एसपी और पुलिस के अन्य अधिकारियों को भेज दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया था कि

म्यांमार से मणिपुर आने वाले आतंकी ड्रोन बेस्ड प्रोजेक्टाइल्स, मिसाइल और जंगल में लड़ाई करने में माहिर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आतंकवादी 30-30 के गुट में पूरे राज्य में फैलना चाहते हैं। इसके बाद वे सितंबर के आखिरी सप्ताह में मैतेई गांवों को एक साथ निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट को लेकर कुलदीप सिंह ने कहा कि यह शत प्रतिशत सही है। उन्होंने कहा कि खुफिया इनपुट पर विश्वास करके तैयारी करना ही सही होता है। अगर यह नहीं भी सही होती है तो इसमें दो ही गुंजाइश हैं। या तो ऐसा हुआ ही नहीं, या फिर सुरक्षा एजेंसियों के प्रयास के चलते होने नहीं दिया गया। बता दें कि म्यांमार में सशस्त्र गुट जुंटे के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है और बड़े हिस्से पर कब्जा भी कर चुका है। चिन प्रांत में जुंटा और एथनिग ग्रुप के बीच भीषण संघर्ष देखने को मिल रहा है।

42 दिन बाद काम पर लौटे कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में जूनियर डॉक्टर्स ने 42 दिन के बाद शनिवार सुबह आंशिक रूप से काम करना शुरू किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद महिला चिकित्सक से

बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी। इसके खिलाफ जूनियर डॉक्टर्स ने काम बंद कर दिया था। आज उन्होंने सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं में काम करना शुरू कर दिया, लेकिन उन्होंने बाह्य रोगी विभाग में अब भी काम शुरू नहीं किया है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों में सीनियर भी शामिल थे।

दिल्ली की तीसरी महिला सीएम बनीं आतिशी, ली पद की शपथ

एलजी वीके सक्सेना ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के बाद अब आतिशी का राज शुरू हो गया है। आतिशी ने दिल्ली की सीएम पद की शपथ ले ली है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें आज राज निवास में सीएम पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई है। आतिशी अरविंद केजरीवाल की सबसे करीबी नेता मानी जाती हैं, जिन्हें केजरीवाल ने भरोसे के साथ चुनाव से ठीक पहले अपनी सीएम की कुर्सी दी है। आतिशी की कैबिनेट में 5 मंत्री शामिल हैं, जिन्होंने आतिशी के साथ ही मंत्री पद की शपथ ली है। दिल्ली के राज निवास में आतिशी ने सबसे पहले मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें सीएम पद की शपथ दिलाई, जिसके बाद सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन ने मंत्री पद की शपथ ली।

मुंबई की धारावी में बवाल, बीएमसी की टीम पर हमला

मस्जिद का अवैध हिस्सा ढहाने पहुंची थी टीम,भारी पुलिसबल तैनात

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के सबसे बड़े स्लिम इलाके धारावी में मस्जिद के एक अवैध हिस्से कि ढहाने बीएमसी टीम पहुंची है। सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। टीम पहुंचने के बाद इस इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। मुस्लिम समुदाय बीएमसी के ऐक्शन का विरोध कर रहे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। मस्जिद के अवैध हिस्से को तोड़ने का नोटिस पहले ही भेज दिया गया था। जानकारी के मुताबिक किसी संगठन या मस्जिद की तरफ से नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएमसी की टीम पहुंचने के बाद ही बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होने लगे। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और कुछ लोग सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। इसके बाद बीएमसी की टीम ने कुछ लोगों को पुलिस स्टेशन बातचीत के लिए बुलाया। कुछ लोग बात करने के लिए थाने पहुंचे थे। बीएमसी की टीम ने धारावी के लोगों से अपील की है कि वे अपने घर चले जाएं और फिलहाल कार्रवाई वापस ले गई है। हालांकि लोग वापस जाने को तैयार नहीं हैं। धारावी के 90 फीट रोड पर यह 25 साल पुरानी मस्जिद मौजूद है। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि यह मस्जिद काफी पुरानी है। इसके अलावा यहां सड़कों पर नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रार्थना स्थल की जरूरत है। इस मस्जिद से किसी का कोई निजी फायदा नहीं होता है। मस्जिद का नाम महबूब-ए-सुबानिया मस्जिद है। धारावी में बढ़ते बवाल को देखकर कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से

मुलाकात की। मिलिंद देवड़ा भी उनके साथ मौजूद थे। दोनों ने इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि बीएमसी का कार्रवाई रोकने का आदेश दिया जाए। इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के शिमला में मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने पर बवाल देखने को मिला था। इसको लेकर काफी दिनों तक तनाव व्याप्त रहा। दरअसल धारावी में 25 साल पुरानी महबूब-ए-सुब्हानी मस्जिद के अनाधिकृत हिस्से को गिराया जाना है। जी-उत्तर प्रशासनिक वार्ड से बीएमसी अधिकारियों का एक दल सुबह करीब नौ बजे धारावी के 90 फुट रोड पर स्थित महबूब-ए-सुब्हानी मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिराने के लिए पहुंचा था। वहां जल्द ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए।

लेबनान पेजर ब्लास्ट

संदिग्धों की लिस्ट में केरल का रिनसन जोस भी शामिल

● उसकी कंपनी पर पेजर सप्लाई का शक,पिता बोले- कई दिनों से फोन नहीं किया

बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में हुए पेजर ब्लास्ट में भारतीय मूल के नागरिक रिनसन जोस (37 साल) का नाम सामने आया है। रॉयटर्स के मुताबिक, केरल के वायनाड में जन्मा रिनसन जोस बुल्गारिया की कंपनी नॉर्टा ग्लोबल लिमिटेड का मालिक है। रिनसन पर आरोप है कि उसकी कंपनी नॉर्टा ग्लोबल ने हिजबुल्लाह को पेजर सप्लाई किए थे। लेबनान में पेजर ब्लास्ट का आरोप इजराइल पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वायनाड में रहने वाले रिनसन के पिता ने पुलिस से कहा कि बेटा हर दिन फोन करता था, लेकिन पिछले कई दिनों से उसका फोन नहीं आया। रिनसन के अलावा हंगेरियन सीईओ क्रिस्टियानो बार्सोनी का

नाम भी संदिग्धों की लिस्ट में है। पेजर सप्लाई में ताइवान, हंगरी और बुल्गारिया की कंपनियों के नाम सामने आए हैं। लेबनान में 17 सितंबर को पेजर ब्लास्ट हुए थे। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 3000 लोग घायल हुए थे। बुल्गारिया ने रिनसन जोस को क्लीन चिट दी न्यूज एजेंसी के मुताबिक नॉर्टा ग्लोबल लिमिटेड को अप्रैल 2022 में बनाया गया था। इसका मालिक रिनसन जोस है, जो नॉर्वे का रहने वाला है। रॉयटर्स ने नॉर्टा ग्लोबल के मालिक रिनसन जोस से ईमेल के जरिए बात करने की कोशिश की मगर उनका कोई जवाब अभी तक नहीं आया है। बुल्गारिया की एजेंसी ने रिनसन जोस को क्लीन चिट दे दी।

अब गुजरात में भी ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश

● सूरत में रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़, फिश प्लेट और कीज मिली

● 55 दिन में 20वीं बार भारतीय ट्रेनों को डिरेल करने की कोशिश

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में शुक्रवार रात किम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ की गई। कुछ अनजान लोगों ने अप लाइन की पटरी से फिश प्लेट और कीज हटा दी थी। उन्हें उसी पटरी पर रख दिया था। साथ ही रेलवे पटरियों को जोड़ने वाले 71 ताले भी हटा दिए थे। स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी मिलने पर अप स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने की-मैन सुभाष कुमार को सतर्क कर दिया। ट्रैक की जांच की गई तो पता चला कि किसी ने ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश रची थी। इसके बाद रूट को बंद कर दिया गया। हालांकि थोड़ी ही देर में नई फिश प्लेट लगने के बाद रेलवे सेवा फिर से शुरू कर दी। भारत में लगातार ट्रेन को नुकसान पहुंचाने की साजिशें सामने आ रही हैं। 9 सितंबर को यूपी के कानपुर में ऐसा ही हादसा हुआ था।

हरियाणा चुनाव

अब कुमारी शैलजा के बहाने बीजेपी ने खेला दलित कार्ड!

● मनोहर लाल खट्टर बोले-कांग्रेस में हुआ एक दलित नेता का अपमान, बीजेपी देगी साथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक हलचल तेज होती जा रही है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा को ऑफर दे डाला है। केंद्रीय मंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसे लेकर बयान दिया। उनसे पत्रकारों ने पूछा कि क्या कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला बीजेपी में शामिल होंगे। इसके जवाब में खट्टर ने कहा, यह संभावनाओं का संसार है और संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। सही समय आने पर आपको सब कुछ पता चल जाएगा। कांग्रेस में उनका अपमान हुआ है। मनोहर लाल खट्टर ने कहा, कांग्रेस में बहन कुमारी शैलजा का अपमान हुआ है। हमने कई नेताओं को अपने संग मिलाया है और उन्हें भी अपने साथ लाने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि शैलजा को गालियां तक दी गईं और अब तो वह घर बैठ गई हैं। उन्होंने कहा, इस अपमान के बावजूद उन्हें (कांग्रेस आलाकमान) कोई शर्म नहीं आई। आज एक बड़ा वर्ग सोचने को मजबूर है कि आखिर क्या करें।

मालूम हो कि शैलजा बीते कुछ दिनों से चुनावी प्रचार से दूर नजर आ रही हैं और अपने घर पर ही समर्थकों से मिल रही हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अपमान का मुद्दा उठा है।

असरा ने किया देश का नाम रोशन राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के हाथों से मिला सम्मान

प्रदेश का गौरव/भोपाल। आपको बता दे कि इंदौर के खजराना में रहने वाले हुसैन सर की बेटी ने टॉप कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है हर माता-पिता का सपना होता है कि हमारा बच्चा पढ़ लिखकर अपना नाम रोशन करें और ऐसा ही सपना खजराना में रहने वाले हुसैन सर ने भी देखा था जिसे उनकी बेटी असरा नें पूरा करके दिखाया असरा नें एम ए में टॉप कर दो गोल्ड मेडल प्राप्त किया और अपने अपने देश और शहर का नाम रोशन किया वहीं बतादे की असरा को गोल्ड मेडल राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू एवं राज्यपाल और मुख्यमंत्री के हाथों से गोल्ड मेडल दिया गया और पूरे शहर के लोगों ने असरा को मुबारकबाद शुभकामनाओं के साथ असरा के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं और असरा के माता-पिता ने कहा है कि इसी तरह मेहनत कर सभी बच्चों को अपने शहर और अपने देश का नाम रोशन करना चाहिए और जैसे ही शहर के लोगों को पता चला कि असरा को गोल्ड मेटल राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के हाथों द्वारा दिया गया है तो सरा के घर पर रिश्तेदारों एवं आसपास के लोगों ने पहुंच कर उसे बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।

रेलवे केन्द्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में स्टेपलर सरकम सीजन कैंप का आयोजन

प्रदेश का गौरव/प्रयागराज। चिकित्सा निदेशक डा0 संजीव कुमार हाण्डू और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 सत्य प्रकाश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में रेलवे केन्द्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में स्टेपलर सरकम सीजन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे बिना चीरे और टांके के स्टेपलर विधि द्वारा फीमोसिस का स्टेपलर सरकमसीजन किया गया। इस कैंप में दिल्ली से आये विशेषज्ञ द्वारा सरकमसीजन स्टेपलर का मरीजों पर सफल परीक्षण किया गया। इस विधि में दर्द भी नही होता है और न ही टांका काटने की जरूरत होती है आजकल बच्चो और वृद्धों में विशेषतः मधूमेह रोग से पीडित व्यक्ति में फीमोसिस नामक बीमारी आम बात है। इस कैंप में रेलवे के वरिष्ठ सर्जन डा संजय कुमार मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज सर्जरी के पूर्व विभागाध्यक्ष डा सबी अहमद शहर के प्रसिद्व निश्चेतक विशेषज्ञ डा एन पी मिश्रा, यूरोलाजिस्ट अभिषेक शुक्ला, मैट्रन मंजू सोनकर, सहायक असिस्टेंट श्री मूल चन्द, श्री राजेन्द्र तिवारी श्री लवकुश, श्रीमती आरती प्रसाद, श्री अमित शुक्ला नर्सिंग स्टाफ बनवारी लाल व प्रीती सिस्टर उपस्थित हुए व कैंप को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

स्वच्छता ही सेवा-2024 के तहत् कार्यक्रमों का आयोजन

20 सितंबर को खेलकूद प्रतियोगिता दिवस तथा 21 सितबंर को वृक्षारोपण दिवस का आयोजन

वृक्षारोपण दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों, डिपो एवं रेल परिसरों में 07 हजार से ज्यादा पौधे लगाए गए।

प्रदेश का गौरव/हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा दिनांक 17.09.2024 से 02.10.24 तक स्वच्छता ही सेवा-2024 का आयोजन किया किया जा रहा है। इसी कड़ी में पांचवें दिन पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों, रेल परिसरों, कोचिंग डिपो, डेमू शेड, वर्कशाप इत्यादि स्थानों 7000 से ज्यादा पौधे लगाए गए। साथ ही पांचों मंडलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

धनबाद मंडल में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के चौथे दिन स्वच्छ भारत मिशन स्पोर्ट्स लीग के तहत अंतर विभागीय फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया जिसमें खिलाड़ियों ने स्वच्छता शपथ लेकर उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। पांचवें दिन धनबाद मंडल के विभिन्न डिपो एवं रेल परिसरों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया जिसमें धनबाद कोचिंग डिपो में बृहत स्तर पर लगभग 300 पौधे लगाए गए।

दानापुर मंडल में स्पोर्ट्स लीग के तहत सीनियर सेकेंडरी रेलवे स्कूल दानापुर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। पाटलिपुत्र रेल परिसर तथा किउल स्टेशन पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया एवं स्वच्छता ही सेवा संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया। स्वच्छता ही सेवा के पांचवें दिन 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों रेल परिसरों एवं कोचिंग डिपो में कुल 1695 पौधे लगाए गए।

सोनपुर मंडल में स्वच्छता की सेवा कार्यक्रम के तहत चौथे दिन हाजीपुर स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साथ रेलवे डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वस्थ शरीर का आयोजन सफाई मित्रों के हेल्थ चेकअप के लिए किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 2700 पौधों का वितरण रेलवे कर्मचारियों को रेलवे क्वार्टर एवं अन्य जगहों पर वृक्षारोपण हेतु किया गया।

डीडीयू मंडल स्वच्छता ही सेवा-2024 कार्यक्रम के चौथे दिन स्वच्छ भारत मिशन स्पोर्ट्स लीग कार्यक्रम के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं', डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर इंडोर गेम के तहत शतरंज प्रतियोगिता एवं सासाराम स्टेशन पर आउटडोर गेम के तहत कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन स्वच्छता संदेश के प्रसार हेतु किया गया। पांचवें दिन 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विभिन्न स्टेशनों एवं रेल परिसरों में कुल 500 पौधे लगाकर लोगों में पर्यावरण एवं साफ सफाई के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया। सासाराम जं. पर आज सफाई मित्रों हेतु हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। साथ ही उन्हें कल्याणकारी केन्द्रीय योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी।

समस्तीपुर मंडल में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मंडल में विभिन्न स्टेशनों पर लगभग 2000 पौधे लगाए गए।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत रतलाम मंडल पर श्रमदान एवं वृक्षारोपण अभियान

प्रदेश का गौरव/रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर मनाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम के तहत 21 सितम्बर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में अधिकारियों एवम कर्मचारियों द्वारा अपने कार्यस्थल की सफाई के लिए श्रमदान किया गया। इसके तहत पुराने एवम अनुपयोगी फाइलों, कागजों के साथ ही अपने कार्यस्थल की गहन सफाई की गई। कार्यालयों, कार्यस्थलों, रेलवे परिसरों की साफ-सफाई के साथ ही लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने के लिए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, चित्तौड़गढ़, दाहोद, नीमच सहित अन्य स्टेशनों पर 125 से अधिक पेड़ लगाए गए।

रतलाम में रेलवे सुरक्षा बल ग्राउंड परिसर में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद एवम अन्य अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही मंडल रेलवे चिकित्सालय, लोको केअर सेंटर में भी अधिकारियों एवम कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कोचिंग डिपो इंदौर में अनुपयोगी लगभग 25 डिब्बों (स्क्रेप) को आकर्षक पेंटिंग कर पौधे लगाए गए।

धौलपुर स्टेशन पर ऑटोमेटिक सिगनलिंग कार्य के चलते गाड़ियों के सञ्चालन में परिवर्तन

प्रदेश का गौरव/आगरा। रेल प्रशासन द्वारा सूचित किया जाता है की धौलपुर स्टेशन पर ऑटोमेटिक सिगनलिंग, यार्ड रीमॉडलिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य के चलते निम्नलिखित गाड़ियों के सञ्चालन में निम्नानुसार परिवर्तन किया जा रहा है- गाड़ी संख्या 11808 आगरा कैंट-वीरांगाना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 11807 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आगरा दिनांक 30.09.24 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12279 / 12280 यात्रा आरंभ तिथि दिनांक 30. 09.24 को आगरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी। अतः यह गाड़ी आगरा से झांसी के मध्य रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 19666 उदयपुर-खजुराहो इंटरसिटी एक्सप्रेस यात्रा तिथि 29.9.24 को आगरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी, आगरा से खजुराहो के मध्य रद्द रहेगी।

इसी क्रम में निम्नलिखित गाड़ियां धौलपुर स्टेशन पर निम्न अनुसार रेगुलेट की जाएंगे- गाड़ी संख्या 22126 अमृतसर-नागपुर एक्सप्रेस दिनांक 23.09.24 को 30 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 11078 जम्मू तवी पुणे झेलम एक्सप्रेस दिनांक 30. 09 .24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 20848 एमसीटीएम-दुर्ग दिनांक 27.09.24 को 40 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 55 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी। गाड़ी संख्या 12645 एर्नाकुलम-निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी। गाड़ी संख्या 18237 कोरबा अमृतसर एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 55 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 12807 विशाखापट्टनम निजामुद्दीन दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 12651 मदुरई-निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

गाड़ी संख्या 22126 अमृतसर-नागपुर एक्सप्रेस सेक्शन में 50 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी।

मैहर स्टेशन पर 14 जोड़ी गाड़ियों का 5 मिनट का हाल्ट

प्रदेश का गौरव/भोपाल। शरद नवरात्रि मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली 14 जोड़ी यात्री गाड़ियों का मैहर स्टेशन पर दिनांक 02.10.2024 से 17.10.2024 तक 5 मिनट का अस्थाई हाल्ट प्रदान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल सहित महाकौशल क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मैहर स्टेशन आने ङ्कजाने को देखते हुए भोपाल मंडल से गुजरने वाली 14 जोड़ी यात्री गाडियों का मैहर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

जिसमें गाड़ी संख्या 11055/11056 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 11059/11060 लोकमान्य तिलक टर्मिनस- छपरा -लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 12669/12670 चेन्नई-छपरा-चेन्नई एक्सप्रेस, 19051/ 19052 वलसाड-मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस, 11045/11046 श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर-धनबाद-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर एक्सप्रेस, गाड़ी-गाड़ी संख्या 15267/15268 रक्सौल-एलएलटी-रक्सौल एक्सप्रेस, 11037/ 11038 पुणे-गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, 17610 /17609 पूर्णा-पटना-पूर्णा एक्सप्रेस, 22103/22104 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 18610/18609 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-राँची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 22971/23972 बांद्रा टर्मिनस-पटना-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, 22131/22132 पुणे-बनारस-पुणे एक्सप्रेस, 15647/15648 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 19045/19046 सूरत-छपरा-सूरत एक्सप्रेस गाड़ियां दिनांक 02 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2024 तक मैहर स्टेशन पर 5 मिनट का हाल्ट लेकर गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेंगी।

यात्री रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 रेल मदद से इन सभी रेलगाड़ियों की आगमन/प्रस्थान की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

भोपाल मंडल में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण

प्रदेश का गौरव/भोपाल। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024' के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी और अन्य शाखा अधिकारियों ने स्काउट गाइड्स के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम का आयोजन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अधिकारी विश्राम गृह के उपवन में किया गया। एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत 55 पौधों को रोपित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में सभी शाखा अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम की थीम एक पेड़ माँ के नाम के तहत, वृक्षारोपण के माध्यम से मातृत्व और प्रकृति के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने कहा कि वृक्षारोपण से हम पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके अलावा, भोपाल मंडल के अन्य स्थानों जैसे इटारसी के विद्युत लोको शेड, डीजल शेड और विदिशा रेलवे स्टेशन पर भी एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया। इन स्थानों पर मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को सशक्त किया। इस कार्यक्रम ने पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पनवेल और छपरा के बीच वाया सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया एवं इटारसी से चलेगी स्पेशल ट्रेन

प्रदेश का गौरव/जबलपुर। आगामी त्यौहारों में अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 05069/ 05070 छपरा-पनवेल-छपरा स्पेशल ट्रेन 11-11 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है।

छपरा से 21 सितम्बर से 30 नवंबर 2024 तक (प्रत्येक शनिवार को) पनवेल से 22 सितम्बर से 01 दिसंबर 2024 तक (प्रत्येक रविवार को)

05069 छपरा-पनवेल स्पेशल गाड़ी 21 सितम्बर से 30 नवंबर 2024 तक छपरा से प्रत्येक शनिवार को दोपहर 13.15 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले रात्रि 22¬00 पर पनवेल पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 05070 पनवेल छपरा स्पेशल ट्रेन 21 सितम्बर से 01 दिसंबर 2024 तक पनवेल से प्रत्येक शनिवार को रात्रि 23:20 पर खुलेगी और तीसरे दिन सुबह 11¬35 बजे छपरा पहुँचेगी।

इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनामी के 14 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

इस ट्रेन का ठहराव बलिया, गाजीपुर, औड़िहार, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण स्टेशन पर दिया गया है। स्पेशल ट्रेन के ठहराव के विस्तृत समय-सारिणी के लिए कृपया www.enquiry.indian-rail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता जागरूकता हेतु मण्डल के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण का आयोजन

प्रदेश का गौरव/जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान दिनांक 17 सितंबर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 के अन्तर्गत पांचवे दिन शनिवार दिनांक 21 सितंबर 2024 को स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता जागरूकता हेतु जयपुर मण्डल के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण का आयोजन किया। जयपुर में गणपतिनगर रेलवे पार्क में डॉ. लक्ष्मी मीना मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ.नीतू मीना वरिष्ठ मण्डल चिकित्सा अधिकारी(प्रशा.), डॉ.प्रियदर्शनी वरिष्ठ मण्डल चिकित्सा अधिकारी,डॉ सुरेश मीना वरिष्ठ मण्डल चिकित्सा अधिकारी (स्वास्थ्य) एवं रेलवे कर्मचारियो द्वारा पौधरोपण किया गया तथा जयपुर स्टेशन पर आर आर आई टावर प्रांगण में पौधरोपण किया। साथ ही फुलेरा स्टेशन एवं रनिंग रूम फुलेरा में हीरालाल सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ई एन एच एम ×पावर) एवं रेल कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया। एवं मण्डल के गांधी नगर, खातीपुरा, दौसा, बांदीकुई, अलवर, फुलेरा, सीकर,चोमू सामोद, रींगस, किशनगढ़, जगतपुरा, बांदीकुई, अलवर, फुलेरा रेलवे स्टेशनों एवं सीकर रेलवे कॉलोनी में पौधारोपण किया। व मंडल के जयपुर, गांधीनगर, झुंझनु, फुलेरा एवं रींगस, दौसा, बांदीकुई एवं अलवर स्टेशन पर स्वच्छता ही सेवा जागरूकता हेतु रेल यात्रियों से स्वच्छता संवाद कर पम्पलेट वितरित किये गये।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने किया पीआरएस डाटाबेस केंद्र का शुभारंभ

प्रदेश का गौरव/हाजीपुर। महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज पटना में यात्री आरक्षण प्रणाली डाटाबेस केंद्र (पीआरएस डाटाबेस केंद्र) का शुभारंभ किया गया। यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) से संबंधित सभी ऑनलाइन गतिविधियाँ, जो अब तक कोलकाता स्थित डाटाबेस में की जाती थीं, उन्हें अब पटना में किया जाएगा। इससे कोलकाता डाटाबेस पर पूर्व मध्य रेल की निर्भरता नहीं रहेगी। इसके प्रारंभ हो जाने से नियत समय पर ट्रेनों की चार्टिंग, ट्रेनों के कोचों में किसी तरह के बदलाव, गाड़ियों का निरस्तीकरण/मार्ग परिवर्तन सहित रेल परिचालन से जुड़ी समस्त जानकारी अब अद्यतन रूप से उपलब्ध होगी। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जयंत कुमार चौधरी तथा दानापुर मंडल एवं मुख्यालय के वरिष्ठ उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी

प्रदेश का गौरव/जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल पर ब्रिजों के अनुरक्षण कार्य के कारण इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को एहतियातन निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के दौरान पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन 02-02 ट्रिप और निरस्त रहेगी। जिसकी विस्तृत जानकारी निम्न है।

1) गाड़ी संख्या 11755 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से रीवा एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से दिनाँक 23.09.2024 एवं 25.09.2024 को निरस्त रहेगी।

2) गाड़ी संख्या 11756 रीवा से नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन रीवा से दिनाँक 22.09.2024 एवं 24.09.2024 को निरस्त रहेगी।

यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

समस्तीपुर एवं मुजफ्फरपुर से कोटा के लिए, 01-01 जोड़ी वन-वे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

प्रदेश का गौरव/हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल द्वारा दिनांक 23.09.2024 को समस्तीपुर एवं मुजफ्फरपुर से कोटा के लिए 01-01 जोड़ी वन-वे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जायेगा जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. गाड़ी सं. 05599 समस्तीपुर-कोटा वन-वे स्पेशल- दिनांक 23.09.24 को यह स्पेशल समस्तीपुर से 13.00 बजे खुलकर 14.00 बजे मुजफ्फरपुर, 15.00 बजे हाजीपुर, 17.05 बजे छपरा रूकते हुए गोरखपुर-लखनऊ-कानपुर-आगरा कैंट-मथुरा के रास्ते अगले दिन 16.30 बजे कोटा पहुंचेगी। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 14 एवं साधारण श्रेणी के 02 कोच होंगे।

2. गाड़ी सं. 05299 मुजफ्फरपुर-कोटा वन-वे स्पेशल- दिनांक 23.09.24 को यह स्पेशल मुजफ्फरपुर से 20.50 बजे खुलकर 21.55 बजे हाजीपुर, 23.10 बजे पाटलिपुत्र, 23.33 बजे दानापुर दिनांक 24.09.24 को 00.05 बजे आरा, 00.55 बजे बक्सर, 03.05 बजे डीडीयू रूकते हुए प्रयागराज छिवकी-टुण्डला-आगरा फोर्ट के रास्ते 15.00 बजे कोटा पहुंचेगी। इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 12 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे।

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के नक्सल पीड़ितों ने रखी अपनी पीड़ा, साय की संवेदनशील पहल का हुआ उल्लेख

प्रदेश का गौरव/नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में आज का दिन बस्तर के नक्सल पीड़ितों के लिए उम्मीदों भरा था। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र से आए 70 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल के तहत, अपनी पीड़ा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचा। उनके चेहरे पर वर्षों से झेले गए अत्याचार की छाप थी, लेकिन उनकी आंखों में अब उम्मीद की किरण भी नजर आ रही थी। राष्ट्रपति से मुलाकात का उद्देश्य साफ था- नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों की समस्याओं को देश की सर्वोच्च शक्ति के सामने रखना और बस्तर को माओवाद के आतंक से मुक्त कराने की अपील करना। मुलाकात के दौरान पीड़ितों ने बताया कि कैसे माओवादी हमलों ने उनके जीवन को तबाह कर दिया है।

बस्तरवासियों की व्यथा- प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को अवगत कराया कि पिछले चार दशकों से बस्तरवासी माओवादी आतंक का दंश झेल रहे हैं। माओवादी हमलों में हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों लोग अपंग हो चुके हैं। बारूदी सुरंगों और बम विस्फोटों ने उनके जीवन को तहस-नहस कर दिया है। विस्फोटों से न केवल शरीर को नुकसान पहुंचा है, बल्कि मानसिक रूप से भी वे पूरी तरह टूट चुके हैं।

प्रतिनिधियों ने बताया कि माओवादियों ने उनके घर, जमीन और संस्कृति को भी बर्बाद कर दिया है। बस्तर में 8,000 से अधिक लोग पिछले ढाई दशकों में माओवादी हिंसा के शिकार हुए हैं। आज भी कई लोग नक्सलियों

के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। जहां देश के अन्य हिस्सों में लोग स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, वहीं बस्तर के लोग अपनी जमीन और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल

प्रतिनिधिमंडल ने जब राष्ट्रपति के समक्ष अपनी बात रखी, तो उन्होंने खास तौर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व को सराहा। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल और नेतृत्व के कारण बस्तर में शांति बहाली और विकास के कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उनके नेतृत्व में बस्तर में न केवल नक्सल उन्मूलन के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं, बल्कि लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उनके द्वारा शुरू की गई योजनाओं ने बस्तरवासियों में एक नई आशा जगाई है।

शांति और पुनर्निर्माण की अपील- बस्तर शांति समिति के प्रतिनिधिमंडल के नेताओं मंगऊ राम कावड़े और जयराम दास ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि बस्तर में शांति बहाल करने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि बस्तर कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांतिपूर्ण जीवन के लिए जाना जाता था, लेकिन माओवादी आतंक ने इस स्वर्ग को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि बस्तर को माओवादी आतंक से मुक्त करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं, ताकि वहां फिर से शांति और सामान्य जीवन लौट सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नक्सल पीड़ितों की व्यथा गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि सरकार बस्तर में शांति और विकास के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि बस्तरवासियों के बेहतर भविष्य के प्रति सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और जल्द ही उन्हें राहत मिलेगी।

पोषण माह में बच्चों के पोषण एवं जनजागरूकता हेतु चलाया जा रहा महाअभियान

जनप्रतिनिधियों से लेकर जनसमुदाय तक सभी बन रहे अभियान के सहभागी

प्रदेश का गौरव/रायपुर। छत्तीसगढ़ के 52 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों में 01 से 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, मितानिन, 0 से 6 वर्ष के बच्चों के अभिभावकों को शामिल करते हुए महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से प्रत्येक आंगनबाड़ी में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिकाएं प्रतिदिन आंगनबाड़ियों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को पोषण माह में अपना सहयोग देने को कहा है। पोषण माह के दौरान इस वर्ष एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार, पोषण भी और पड़ाई भी, गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाय हेतु तकनीक का प्रयोग और समग्र पोषण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। श्री साय ने कहा है कि जन समुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित संदेशों के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु 1 सितम्बर 2024 से 30 सितंबर 2024 तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है ताकि एक जन आंदोलन के रूप में सुपोषण की यात्रा में समुदाय की विभिन्न घटक सहभागी हो सके।

पोषण माह के अंतर्गत महिलाओं के साथ एनीमिया पर चर्चा के साथ उनकी एनीमिया की जांच भी की जा रही है, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के ऊपर जन समुदाय को जागरूक करने के साथ टेक्नोलॉजी का सरकारी कामकाज अनुप्रयोग विषय पर भी चर्चा की जा रही है जिसका थीम है 'टेक्नोलॉजी फॉर गवर्नेंस एरियाज इनफ्लुएंसिंग न्यूट्रिशन'। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ प्रथम गर्भवती महिलाओं को दिलाना, जिसकी एंट्री ऑनलाइन होती है एवं आंगनबाड़ी में बच्चों की सभी जानकारियों की एंट्री पोस्ट ट्रैकर में करते हुए उन्हें लाभान्वित करना आदि किया जा रहा है।

पोषण माह से समुदाय में आ रही जागरूकता

पोषण माह के अंतर्गत महिलाओं बच्चों को लाभान्वित करने के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ उन्हें पहुंचा जा रहा है जैसे प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत जो माताएं लाभान्वित होने से छूट गई थी उन्हें लाभ दिलाया जा रहा है।

पोषक आहार पर दिए गए ज्ञान से गर्भवती महिलाओं के खान-पान में सुधार देखने को मिल रहा है वे अब प्रोटीन को अपने आहार में शामिल कर रही हैं, पोषण माह मानने से आंगनबाड़ी में जन समुदाय की भागीदारी बड़ी है साथ ही साथ वजन त्यौहार भी मनाया जा रहा है जिसमें जनप्रतिनिधि भी शामिल होकर जनसमुदाय को स्वस्थ एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने सामने आ रहे हैं और अपनी भागीदारिता निभा रहे हैं। राज्य में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत डैशबोर्ड में अब तक 40 लाख 21 हजार 870 गतिविधियों की एंट्री की जा चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से मनेन्द्रगढ़ में 14 करोड़ 91 लाख रूपए के विकास कार्यों की मिली मंजूरी

शासकीय उद्यानिकी महाविद्यालय एमसीबी में महाविद्यालय भवन एवं बालक-बालिका छात्रावास भवन का होगा निर्माण

प्रदेश का गौरव/एमसीबी। मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक एवं राज्य सरकार में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से शासकीय उद्यानिकी महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में महाविद्यालय भवन एवं बालक-बालिका छात्रावास भवन के निर्माण की स्वीकृति मिल गयी है। स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से इसके लिए राज्य सरकार द्वारा 14 करोड़ 91 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति मिल जाने से शासकीय

उद्यानिकी महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी-भरतपुर में महाविद्यालय भवन एवं बालक-बालिका छात्रावास भवन का निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ हो सकेगा, जिससे छात्र-छात्राओं को बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

यह स्वीकृति श्री श्याम बिहारी जायसवाल की क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस योजना से न केवल शैक्षणिक वातावरण में सुधार होगा, बल्कि छात्रों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे वे अपने शैक्षणिक जीवन में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

चिरमिरी में आईटीआई के भवन में संचालित होगा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रदेश का गौरव/मनेन्द्रगढ़। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिरमिरी में पॉलीटेक्निक की पढ़ाई के महत्व को देखते हुए इसके लिए भवन तैयार होते तक जिला प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। श्री जायसवाल की पहल पर चिरमिरी में पॉलीटेक्निक कॉलेज के नए भवन का निर्माण होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पॉलीटेक्निक कॉलेज का संचालन चिरमिरी स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन में होगा। इसके साथ

ही आईटीआई छात्रावास में पॉलीटेक्निक कॉलेज के लिए भी जगह होगी। छात्रावास का संचालन संयुक्त रूप से किया जायेगा। संयुक्त कलेक्टर के द्वारा प्राचार्य, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, अम्बिकापुर को इस बारे में आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार इस व्यवस्था के अंतर्गत, आईटीआई भवन में नवीन शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई छात्रावास में दोनो संस्थानों के छात्रों हेतु संयुक्त रूप से संचालन किया जाएगा। पॉलीटेक्निक के नए भवन का निर्माण पूर्ण होने तक ये व्यवस्था जारी रहेगी।

सर्वर न आने से राशन के लिए उपभोक्ता परेशान

निवाड़ी । नगर परिषद निवाड़ी के वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 मैं राशन उपभोक्ताओं को राशन मशीन के सर्वर नहीं आने की वजह से काफी परेशान होना पड़ रहा है क्योंकि राशन दुकानदार द्वारा 19 सितम्बर को राशन बांटने के लिए दुकान खोली गई किंतु दो ही घंटे बाद सर्वर चले गए जिससे वार्ड क्रमांक 14 हर्षमऊ,व्याटा, पुरा और वार्ड क्रमांक 15 लक्ष्मनपुरा के राशन उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि ठीक उसी प्रकार आज भी मशीन के सर्वर ना आने के कारण उपभोक्ताओं को राशन दुकान से राशन लिए बगैर ही घर जाना पड़ रहा है अभी तक 20 प्रतिशत ही उपभोक्ताओं को राशन प्राप्त हुआ है जिससे राशन उपभोक्ताओं ने कलेक्टर से मांग करते हुए कहां है कि अगर एक-दो दिन में सर्वर नहीं आते हैं तो बगैर मशीन के ही राशन वितरण करवाया जाए क्योंकि नहीं तो राशन उपभोक्ताओं को राशन प्राप्त नहीं होगा अगले माह क्योंकि शासन द्वारा इस माह में राशन प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है।

परेड के लिए निवाड़ी जिले से छात्र-छात्राएं चयनित

निवाड़ी । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना परेड हेतु छात्र छात्राओं का चयन दौड़ ,परेड, कमांड,ऊंचाई ,फ्लैट पैर एवं घुटनों का न मिलना, विशेष शिविर में भागीदारी, सांस्कृतिक विधा में दक्षता के आधार पर किया गया यह चयन प्रक्रिया रासेयो जिला संगठक डॉ एल आर प्रजापति, डॉ अर्चना सेन कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई पृथ्वीपुर, लेफ्टिनेंट महिपाल सिंह एवं क्रीड़ाअधिकारी प्रदीप अवस्थी उपस्थिती में आयोजित की गई यह छात्र-छात्राएं अब विवि स्तरीय चयन समिति के समक्ष प्रदर्शन करेगे पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस निवाड़ी जिले से साक्षी यादव ,पलक नायक ,सरस्वती केवट,कुलदीप चौधरी एवं उमाशंकर मांझी विवि छतरपुर के लिए चयनित हुए हैं। चयन प्रक्रिया प्राचार्य डॉ आमिर एजाज के मार्गदर्शन में हुई।

खनिज विभाग में अवैध का परिवहन करते हुए ट्रैक्टर ट्राली पकड़ाए

निवाड़ी। खनिज विभाग के द्वारा लगातार अवेद्युत खनन के विरुद्ध अभियान चलाकर अवैध चलने वाली ट्रैक्टर डंपरों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है जिसके तहत पृथ्वी पर निवाड़ी मार्ग पर ग्राम मकर के पास एक ट्रैक्टर में अवैध उत्खनन कर परिवहन करते हुए पकड़ा गया जिसे कोतवाली पुलिस थाना के सुपुर्द किया गया ।

कलेक्टर के निर्देशनुसार अवैध परिवहन पर खनिज विभाग ने आज शाम को ग्राम मकारा जांच के दौरान 1 वाहन ट्रेक्टर रेत का अवैध परिवहन करते पाया गया उक्त वाहन को जप्त कर कोतवाली निवाड़ी की अभिरक्षा में रखा गया उक्त कार्यवाही प्रभारी अधिकारी खनिज डॉ अजय मिश्रा के प्राप्त निर्देनुसार मोका जांच प्रभारी खनिज निरीक्षक ब्रजेश कुमार जी के द्वारा एवम उपस्थित बल में हनीफ एवम शिवम् शुक्ला कार्यवाही में मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारी शिक्षक संघों के द्वारा तीन चरणों में किया जा रहा आन्दोलन

पृथ्वीपुर। शिक्षक कर्मचारी संगठनो एवं एनएमओपीएस के पदाधिकारियो के द्वारा अपनी पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर तीन चरणो में आन्दोलन शुरू किया गया है।जो 26 सितम्बर को जिला मुख्यालय पर रैली निकालकर मांग करेगा। नगर के राधासागर तालाब पर 20 सितम्बर को हनुमान मंदिर प्रांगण में एनएमओपीएस के जिला अध्यक्ष अखलेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में समस्त संगठनो के अध्यक्षो और कार्यकारिणी के सदस्यो के द्वारा बैठक का आयोजन कर रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई है। जिसमें श्री तिवारी ने बताया कि भारत सरकार ने अधिकारी कर्मचारियों को निर्णय लेकर बहुत बडा धोखा किया जो हमें यूपीएस का खोखला झुनझुना देकर के हम सभी को भ्रमित कर आपस में बांटने का बेहतरीन तरीका निकाला है। सरकार को मालूम होना चाहिए कि यह पढी-लिखी समाज है सरकार का अंग है यह बहकावे में और झुनझुन में आने वाले नहीं । हम सभी को सिर्फ पीसी मंजूर है केवल केवल ओपीएस जिसके लिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु जी ने खूलकर आमने सामने विरोध दर्ज किया और एक नई रणनीति बनाकर के सभी समाचार पत्रो और चेनलो से मुखातिब होकर बहस मैं सम्मिलित होकर हम सभी को अस्वस्थ किया कि हाल में हम ओपीएस लेकर ही रहेंगे। जिसके लिए सभी को मात्र समय देकर सहयोग करना हैं । एक रणनीति के तहत दिल्ली पर एक राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक हुई । जिसमें सर्वसम्मति से समस्त प्रदेशों के प्रदेशाध्यक्ष सम्मिलित रहे और निर्णय किया कि सर्वप्रथम 3 चरणों के आंदोलन में टयूटर अभियान पूरे भारत में चलाया गया जो नंबर 1 पर रहा । इसके बाद पूरे भारत में काली पट्टी बांधकर के अपना कर्तव्य निर्वहन करते हुए सफल बनाया। तीसरा चरण मैं आप सभी से विनम्र आग्रह हैं आपकी बुढापे की चादर को बुढापे की लाठी को लेने के लिए सिर्फ आपको जिला मुख्यालय पर समय ठीक 2 बजे से 5 बजे तक दिनांक 26 सितंबर 2024 को संगठन के आहवान पर उपस्थित रहना है । बिना किसी विचार के स्वयं के बुढापे की सुरक्षा हेतु केवल तीन घंटे का समय ही देना है जिसमें आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए ज्ञापन को सफल बनाने के लिए हमारा निवाडी जिला भी पीछे ना रहे । आप सभी बढ-चढकर सम्मिलित हों खास तौर से हमारी बहनें अवश्य ही पधारें । आप शक्ति स्व रुपा भवानी का स्वरुप आपके भागीदारी सफलता की ओर ले जाएगी । पूरे भारतवर्ष के जिला मुख्यालय का कार्यक्रम में सरकार विचार में सदमे में है। इसको सिर्फ रेली ज्ञापन सफल बनाने की आवश्यकता है जिसकी तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

निवाड़ी मुख्यालय पर नवीन बस एवं टैक्सी स्टैण्ड के लिए जमीन चिह्नित कर करें आवश्यक कार्यवाही

निवाड़ी। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा व पुलिस अधीक्षक डॉ राय सिंह नरवरिया की उपस्थिति में आयोजित की गई। ने सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ओरछा तिगैला से ओरछा रोड पर स्थित बबेड़ी पुल संकीर्ण होने के कारण आये दिन जाम की स्थिति के निवारण हेतु सातार नदी जैसी वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कर, साइन बोर्ड, पेड़-पौधो की कटाई-छटाई आदि कार्य करने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि निवाड़ी मुख्यालय पर नवीन बस स्टैण्ड एवं टैक्सी स्टैण्ड हेतु जमीन चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। ओरछा तिगैला से ओरछा रोड पर स्थित न्यायालय के पास प्रथम प्राचीन गेट संकींण होने के कारण आये दिन जाम की स्थिति बनी रहती है साथ ही दुर्घटनाओं की सम्भावना बनी रहती है। उक्त हेतु गणेश दरवाजे जैसी वैकल्पिक व्यवस्था करने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। ओरछा में रेल्वे अंडर ब्रिज पर पानी भराव के कारण जाम की स्थिति एवं दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है, जिसे रोकने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होने कहा कि अस्थाई नाली बनवाकर पानी का निकास किया जाए एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाये। झांसी खजुराहो फोर लाईन पर निवाड़ी भाटा इण्डस्ट्रियल एरिया, प्रतापपुरा इण्डस्ट्रियल एरिया के समीप सड़क के दोनों ओर पर्याप्त रोशनी ना होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, दुर्घटनाएं रोकने हेतु आवश्यक स्थलों पर साइन बोर्ड एवं पर्याप्त् रोशनी की व्यवस्था हेतु

आवश्यक कार्यवाही की जाए। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसबाई चिन्हित स्थलों, संभावित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना रोकने हेतु आवश्यक सांकेतिक, प्रकाश, साइन बोर्ड, रोड मार्किंग, रोड स्टड, रेडियम एवं रिफलेक्टर आदि जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में चिन्हित स्थलों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु कार्ययोजना का विस्तृत रोड मैप प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। ओरछा नगर में ओरछा मंदिर चौराहा से राजमहल पुल तक एवं पुराना बस स्टैण्ड ओरछा में वाहन पार्किंग होने से जाम की स्थिति बनी रहती है। पार्किंग की व्यवस्था अन्यत्र किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। होटल ओ0सी0आर0 के सामने जो पत्थर हटाये गये हैं, वहां डामर सड़क एवं रेलिंग का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही ओरछा तिगैला से तक सड़क किनारे विद्युत खम्भों पर रेडियम लगाना सुनिश्चित करें जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके।ओरछा तिरौला से ओरछा तक सड़क मरम्मत का कार्य गुणवत्ता पूर्ण नहीं हैं, उक्त सड़क मार्ग की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला में ई-रिक्शा एवं टैक्सी वाहन लापरवाही से चलाये जा रहे हैं, एवं अन्यंत्र पार्किंग कर रहे हैं। इनमें से कई वाहनों के नम्बर प्लेट भी नहीं हैं। जिला परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी जिला निवाड़ी उक्त बाहनों हेतु जागरूकता अभियान, एक प्रशिक्षण सह हेल्थ कैम्प आयोजित करना सुनिश्चित करें। साथ ही उक्त वाहनों का डाटा संधारित करें। निवाड़ी तिगैला पर प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है, निबाड़ी रोड पर स्थित डिवाईडर को पीछे तक हटाकर अथवा भारी वाहन ब्रिज के दूसरी तरफ ले जाकर हाइवे पर लेवें। बैठक में एडिशनल एसपी ज्योति ठाकुर रक्षित निरीक्षक दीपक साहू एसडीएम निवाड़ी विनीता जैन एसडीएम पृथ्वीपुर अनुराग निंगवाल सहायक अभियोजन अधिकारी पंकज द्विवेदी सहित अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

कश्मीर में नई शुरुआत

जम्मू-कश्मीर के सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर बुधवार को हुई पहले चरण की वोटिंग को आधार बनाया जाए तो ये चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक कहे जा सकते हैं। शांति, सुव्यवस्था और लोगों की भागीदारी की दृष्टि से ये चुनाव उन तमाम नैरेटिव के लिए पूर्णविराम साबित हो सकते हैं जो बाहरी शक्तियां कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चलाती रहती हैं।जम्मू-कश्मीर में पिछले एक दशक में यह पहला विधानसभा चुनाव है। ये दस साल जम्मू-कश्मीर के लिए इस मायने में भी खास रहे कि इस दौरान न केवल संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत उसे हासिल विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया बल्कि वह राज्य से केंद्रशासित क्षेत्र में तब्दील हो गया। स्वाभाविक रूप से इन बड़े कदमों को लेकर वहां के लोगों की राय बंटी हुई है और कुछ हलकों में इसे लेकर गहरा असंतोष भी है।ध्यान देने वाली बात यह है कि इस असंतोष ने भी लोगों को चुनाव प्रक्रिया से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। इन चुनावों में अनुच्छेद 370 की वापसी और राज्य का दर्जा प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने आए हैं। रोजगार एक और बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। लेकिन लोगों की इन भावनाओं को देश के अन्य हिस्सों में मतदाताओं की आकांक्षाओं और उनके असंतोष से अलग नहीं कहा जा सकता।पिछले तीन-चार दशकों के अनुभव की रोशनी में देखें तो यह बड़ा महत्वपूर्ण फर्क है। चुनावों के बहिष्कार की अपीलों, धमकियों और चेतावनियों के बीच लोगों के ऐसे ही असंतोष अलगाववाद और उग्रवाद के समर्थन में इस्तेमाल कर लिए जाते थे। इस बार मतदाताओं की लंबी कतारों ने ऐसी गुंजाइश नहीं रहने दी। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव के वोटिंग आंकड़ों का पीछे छूटना बेहद अहम है। लोकसभा चुनावों में 58.46 फीसदी वोटिंग हुई थी जो पिछले 35 साल का रेकॉर्ड था।सबसे बड़ी बात यह कि ये चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे। इसका श्रेय सुरक्षा बलों और प्रशासनिक तंत्र को देना पड़ेगा। जहां तक बात आतंकवाद के आकाओं की है तो उनकी तरफ से तो इन चुनावों को बाधित करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी गई थी। चुनाव की घोषणा होने के बाद न केवल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ीं बल्कि आतंकी हमलों के भी काफी प्रयास हुए। मगर आतंकी तत्व आम लोगों की सोच को बदलने में कामयाब नहीं हो सके। यह चुनाव जम्मू-कश्मीर की आतंकवाद से मुक्ति का निर्णायक बिंदु साबित हो तो आश्चर्य नहीं।

अर्थ के कई क्षेत्रों में आज भी पूरे विश्व में चीन का दबदबा कायम है जैसे चीन विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) के शेयर बाजार के आकार के मामले में भी चीन का दबदबा लम्बे समय से कायम रहा है। परंतु, अब भारत उक्त दोनों ही क्षेत्रों, (विनिर्माण एवं शेयर बाजार), में चीन को कड़ी टक्कर देता दिखाई दे रहा है तथा हाल ही में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार सम्बंधी इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में चीन से आगे निकलता भारत

(प्रह्लाद सबनानी)

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं।

अर्थ के कई क्षेत्रों में आज भी पूरे विश्व में चीन का दबदबा कायम है जैसे चीन विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) के शेयर बाजार के आकार के मामले में भी चीन का दबदबा लम्बे समय से कायम रहा है। परंतु, अब भारत उक्त दोनों ही क्षेत्रों, (विनिर्माण एवं शेयर बाजार), में चीन को कड़ी टक्कर देता दिखाई दे रहा है तथा हाल ही में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार सम्बंधी इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। अथवा, यह कहा जाय कि इन इंडेक्स के आधार पर अथवा इन इंडेक्स की बाजार में चाल पर ही वे इन देशों के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इन संस्थागत निवेशकों में विभिन्न देशों के पेन्शन फंड, सोवरेन फंड, निवेश फंड आदि शामिल रहते हैं जिनके पास बहुत बड़ी मात्रा में पूंजी की उपलब्धता रहती है एवं वे अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं। इस संदर्भ में एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स आईएमआई (इनवेसटेबल मार्केट इंडेक्स) का नाम पूरे विश्व में बहुत विश्वास के साथ लिया जाता है। विश्व प्रसिद्ध निवेश कम्पनी मोर्गन स्टेनली ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि इस इंडेक्स में 24 तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) की 3,355 कम्पनियों के शेयरों को शामिल किया गया है।

पिछले 15 वर्षों से यह प्रचलन चल रहा है कि इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही है परंतु धीरे धीरे अब चीन की भागीदारी इस इंडेक्स में कम हो रही है एवं इस वर्ष अब भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस इंडेक्स में प्रतिशत में चीन की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है और भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ते हुए चीन से आगे निकल आई है और भारत की हिस्सेदारी अब 22.27 प्रतिशत से अधिक हो गई है एवं चीन की हिस्सेदारी कम होकर 21.58 रह गई है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है और इसका आशय यह है कि जो निवेशकर्ता इस इंडेक्स के आधार पर अपना निवेश तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में करते हैं वे अब भारत की ओर अपना रूख करेंगे। दूसरे, पिछले कुछ वर्षों से विदेशी निवेशक भारत से निवेश बाहर निकालते रहे हैं क्योंकि उनको भारतीय शेयर मंहगे लगाने लगे थे। परंतु, अब यह विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रूख करेंगे। ऐसी सम्भावना व्यक्त की

जा रही है। भारत का वेट बढ़ने से इस प्रकार के निवेशक भी भारत में आएंगे ही और भारत में 400 से 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नया निवेश करेंगे।

एक अन्य एमएससीआई वैश्विक सूचकांक में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 2 प्रतिशत हो गई है। परंतु, एमसएससीआई इमर्जिंग मार्केट इननवेस्टिबल फड इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वैश्विक स्तर पर निवेश करने वाले बड़े फंड्ज का निवेश सम्बंधी आबंटन भी इसी हिस्सेदारी के आधार पर होने की सम्भावना है। इन्हीं कारणों के चलते अब आने वाले समय में भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना निवेश बढ़ाए जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैसे भी चीन की अर्थव्यवस्था में अब विकास दर कम हो रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से चीन लगातार कुछ आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है। चीन की विदेश नीति में भी बहुत समस्याएं उभर रही हैं विशेष रूप से चीन के अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ राजनैतिक सम्बंध ठीक नहीं हैं। चीन के शेयर बाजार में देशी निवेशक ही अधिक मात्रा में भाग ले रहे थे और वे भी अब अपना पैसा शेयर बाजार से निकाल रहे हैं। इन समस्याओं के पूर्व एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में चीन ओवर वेट था और भारत अंडर वेट था। परंतु, पिछले दो वर्षों के दौरान स्थिति में तेजी से परिवर्तन हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था में आई समस्याओं के चलते चीन का इस इंडेक्स में खराब प्रदर्शन रहा है, उससे चीन की हिस्सेदार इस इंडेक्स में कम हुई है। दूसरा, भारत अपने आप में विभिन्न आयामों वाला शेयर बाजार है क्योंकि यहां निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एवं गैस, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, होटेल, बैंकिंग एवं वित्त आदि जैसे लगभग समस्त क्षेत्र मिलते हैं। इसके विपरीत ताईवान के शेयर बाजार में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कम्पनियों की 60 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है, इसी प्रकार, सऊदी अरब में तेल कम्पनियों की 90 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। इस प्रकार ये देश पूर्णतः केवल एक अथवा दो क्षेत्रों पर ही निर्भर हैं जबकि भारत में विदेशी निवेशकों को कई क्षेत्रों में निवेश का मौका मिलता है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था शीघ्र ही पांचवे स्थान से आगे बढ़कर तीसरे स्थान पर आने की तैयारी में है। भारत में सशक्त वित्तीय प्रणाली के साथ ही सशक्त प्राइमरी मार्केट भी है। भारत में स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है, इन स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों को भी तो वित्त की आवश्यकता है, जिनमें विदेशी निवेशक अपनी पूंजी का निवेश कर सकते हैं। इस प्रकार यह स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियां भी निवेशकों को निवेश के लिए अतिरिक्त बेहतर विकल्प प्रदान कर रही हैं।

साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का कम्पन भी स्पष्टतः दिखाई दे रहा हैं और भारत में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि हो रही है। भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं इससे भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में और अधिक वृद्धि होगी तथा इससे विभिन्न कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अधिक वृद्धि होगी और अंततः इन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों को भी भारत में निवेश करने में और अधिक लाभ दिखाई देगा। दूसरे, भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली 60 प्रतिशत जनसंख्या का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत तक ही है, इसे बढ़ाए जाने के लगातार प्रयास केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के चलते ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में भी वृद्धि दर्ज होगी। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को उद्योग एवं सेवा के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण इलाकों एवं कृषि क्षेत्र पर जनसंख्या का दबाव कम हो। भारत की जनसंख्या की औसत आयु 27 वर्ष हैं, चीन की जनसंख्या की औसत आयु 40 वर्ष है और जापान की जनसंख्या की औसत आयु 53 वर्ष है। इस प्रकार भारत आज एक युवा देश है क्योंकि भारत में युवा जनसंख्या, चीन एवं जापान की तुलना में, अधिक है जो भारत के लिए, आर्थिक दृष्टि से, लाभ की स्थिति उत्पन्न करता है।।

भारतीय युवाओं को यदि रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगते हैं तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और अधिक तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। चीन में आज बेरोजगारी की दर जुलाई 2024 में बढ़कर 5.20 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो जून 2024 में 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2002 से वर्ष 2024 तक चीन में बेरोजगारी की औसत दर 4.75 प्रतिशत रही है। हालांकि फरवरी 2020 में यह 6.20 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी। अब पुनः धीरे धीरे चीन में बेरोजगारी की दर आगे बढ़ रही है। जबकि भारत में वर्ष 2023 में बेरोज़गारी की दर (15 वर्ष से अधिक आयु के नगरिको की) कम होकर 3.1 हो गई है जो हाल ही के समय में सबसे कम बेरोज़गारी की दर है। वर्ष 2022 में भारत में बेरोजगारी की दर 3.6 प्रतिशत थी एवं वर्ष 2021 में 4.2 प्रतिशत थी। इस प्रकार धीरे धीरे भारत में बेरोजगारी की दर में कमी आने लगी है।

कुल मिलाकर अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में चीन की तुलना में भारत की स्थिति में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है जिससे एमएससीआई इंडेक्स में भारत की स्थिति में भी लगातार सुधार दिखाई दे रहा है जो आगे आने वाले समय में भी जारी रहने की सम्भावना है। इस प्रकार, अब भारत, चीन को अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे धीरे पीछे छोड़ता जा रहा है। (लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)।

सिर्फ कानून कड़े करने से नहीं बनेगी बात

(राजेश चौधरी)

हाल ही में कोलकाता में महिला डॉक्टर के रेप और मर्डर का मामला सामने आने के बाद सड़क से लेकर सदन और अदालत से लेकर मीडिया तक में इस पर काफी बहस चल रही है। इस कांड के बाद रेपिस्ट को सख्त सजा की मांग दोबारा उठी और पश्चिम बंगाल सरकार ने रेप कानून को सख्त बनाने के लिए विधानसभा में बिल पेश किया, जिसे विपक्षी दलों की सम्मति से पास भी कर दिया गया।

निर्भया से कठुआ कांड तक – यह पहली बार नहीं है कि देश महिला के साथ रेप को लेकर उबल रहा हो। निर्भया कांड किसे याद नहीं होगा। उस वक्त भी रेप कानून में बदलाव के लिए लोगों ने आवाज उठाई थी। तब कानून में सख्त सजा का प्रावधान भी किया गया। उसके बाद कठुआ का मामला सामने आया और रेप कानून में फिर बदलाव हुए। इस बार कोलकाता में दरिंदगी की गई तो फिर रेप लॉ में उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान करने का प्रस्ताव किया गया है।

रेप पर कानूनी प्रावधान – आईपीसी की धारा-375 में बताया गया है कि अगर किसी महिला से कोई पुरुष जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो वह रेप होगा। महिला के साथ किया गया यौनाचार या दुराचार दोनों ही रेप के दायरे में होगा। इसके अलावा महिला के शरीर के किसी भी हिस्से में अगर पुरुष अपना प्राइवेट पार्ट डालता है तो वह भी रेप के दायरे में होगा। महिला के प्राइवेट पार्ट में पुरुष कोई भी ऑब्जेक्ट डालता है तो वह रेप होगा। महिला की उम्र अगर 18 साल से कम है तो उसकी सहमति के बावजूद यौन संबंध रेप ही माना जाएगा। अब यही प्रावधान भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-63 में रखे गए हैं।

कानून में निर्धारित सजा – आईपीसी की धारा-376 के तहत रेप के लिए कम से कम 7 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया गया था। वहीं भारतीय न्याय संहिता की धारा-64 में कहा गया है कि रेप मामले में कम से कम 10 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्रकैद की सजा होगी। आईपीसी की धारा-376 ए के तहत प्रावधान किया गया कि अगर रेप के कारण महिला वेजिटेटिव स्टेज (मरने जैसी स्थिति) में चली जाए तो दोषी को अधिकतम फांसी की सजा हो सकती है। भारतीय न्याय संहिता की धारा-66 में कहा गया है कि अगर महिला रेप के कारण वेजिटेटिव स्टेज में पहुंच जाए तो कम से कम 20 साल या ज्यादा से ज्यादा उम्रकैद (मरते दम तक कैद) या फिर फांसी तक की सजा हो सकती है।

गैंगरेप का मामला – गैंगरेप के लिए 376 डी के तहत कम से कम 20 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्रभर के लिए जेल (नैचरल लाइफ तक के लिए जेल) का प्रावधान किया गया। भारतीय न्याय संहिता की धारा-70 के तहत इसे परिभाषित किया गया है। 376 डी के तहत प्रावधान किया गया कि अगर कोई शख्स रेप के लिए पहले दोषी करार दिया गया हो और वह दोबारा रेप या गैंगरेप के लिए दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद (नैचरल लाइफ) से लेकर फांसी तक की सजा होगी। इसे भारतीय न्याय संहिता की धारा-71 में परिभाषित किया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा-65 (1) में प्रावधान है कि अगर किसी लड़की की उम्र 16 साल से कम है तो उसके साथ रेप में कम से कम 20 साल और अधिकतम उम्रकैद (नैचरल लाइफ) हो सकती है। साथ ही 65 (2) में प्रावधान किया गया है कि अगर लड़की की उम्र 12 साल से कम है तो रेप के दोषी को कम से कम 20 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्रकैद (मरते दम तक कैद) या फिर फांसी की सजा होगी। सीआरपीसी की धारा-309 में भी बदलाव किया गया था। इसके तहत प्रावधान किया गया कि रेप से संबंधित मामले का ट्रायल दो महीने में पूरा किया जाएगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-346 में भी ऐसा ही प्रावधान है।

अपराजिता बिल – हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लाए गए अपराजिता बिल में रेप के दोषी के लिए उम्रकैद से फांसी तक की सजा का प्रावधान किया गया है। अगर पीड़ित मरणासन्न अवस्था में पहुंच जाए या उसकी मौत हो जाए तो अपराजिता कानून के तहत फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया है। गैंगरेप मामले में उम्रकैद (नैचरल लाइफ) या फिर फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें गिरफ्तारी के 21 दिन के भीतर चार्जशीट दायर किए जाने और ट्रायल एक महीने में पूरा किए जाने का प्रावधान है।

कानून का असर – समस्या यह है कि इन सख्त कानूनों का जैसा असर होना चाहिए, वह नहीं दिख रहा। जानकार बताते हैं कि सख्त कानून तो बन गया लेकिन उस बारे में लोगों के बीच जागरुकता नहीं है। जब तक लोगों को कानून के बारे में पूरी जानकारी नहीं होगी, उनमें कानून का डर नहीं होगा। ऐसा ही मामला सुप्रीम कोर्ट में पिछले हफ्ते भी आया। इस याचिका में गुहार है कि स्कूल लेवल पर एंटी रेप लॉ और पास्को के बारे में बताया जाए जिससे आम लोगों के बीच कानून के बारे में जागरूकता पैदा हो।

अदालतों में लंबित मामले– निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक करीब पांच करोड़ केस पेंडिंग हैं। निचली अदालत में जजों की भारी कमी है। निर्भया केस में निचली अदालत और हाईकोर्ट से मामला जल्दी निपटाने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट में मामले की अपील के बाद लिस्ट होने में ही दो साल लग गए थे। ऐसे में सिर्फ सजा सख्त करने के बजाय कानून के प्रति जागरूकता फैलाने और जुडिशल इन्फ्रास्ट्रक्चर को पुख्ता करने की भी जरूरत है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

(योगेंद्र योगी)

ला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है।

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए।

अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीडन् के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है।

निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीड़िता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीड़िता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। अपराधियों को पकडऩे के लिए पुलिस ने कार्रवाई की, और बाद में आरोपी एनकाउंटर में मारे गए, जिसने विवाद और बहस को जन्म दिया। मणिपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने हाल ही में बहुत ध्यान खींचा। इस मामले ने स्थानीय हिंसा और सामाजिक अस्थिरता को भी उजागर किया। साल 2013 में केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड बनाया, जिसका मकसद राज्यों को महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करना था। मगर, इसका अभी पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड की 9 हजार करोड़ रुपये की धनराशि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा भी सही से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड बनने से लेकर 2021-22 तक, कोष के तहत कुल आवंटन 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है, जिसमें से 4,200 करोड़ रुपये का ही अब तक इस्तेमाल हो पाया है।

गौरतलब है कि भारत में हर घंटे 3 महिलाएं रेप का शिकार होती हैं, यानी हर 20 मिनट में बलात्कार की एक घटना। देश में रेप के मामलों में 96 प्रतिशत से ज्यादा आरोपी महिला को जानने वाले होते हैं। रेप के मामलों में 100 में से 27 आरोपियों को ही सजा होती है, बाकी बरी हो जाते हैं। ये तीन आंकड़े बताते हैं कि सख्त कानून होने के बावजूद हमारे देश में रेप के मामलों में न तो कमी आ रही है और न ही सजा की दर यानी कन्विक्शन रेट बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में सालभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के चार लाख से ज्यादा अपराध दर्ज किए जाते हैं। इन अपराधों में सिर्फ रेप ही नहीं, बल्कि छेड़छाड़, दहेज हत्या, किडनैपिंग, ट्रैफिकिंग, एसिड अटैक जैसे अपराध भी शामिल हैं।

आंकड़े बताते हैं कि 2012 से पहले हर साल रेप के औसतन 25 हजार मामले दर्ज किए जाते थे। लेकिन इसके बाद ये आंकड़ा 30 हजार के ऊपर पहुंच गया। 2013 में ही 33 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए थे। 2016 में तो आंकड़ा 39 हजार के करीब पहुंच गया था। साल 2022 में औसतन हर दिन करीब रेप के 87 मामले दर्ज किए गए। इसी साल 248 रेप या गैंगरेप के साथ हत्या। 31,516 रेप, 3,288 रेप के प्रयास और 83,344 मामले महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए हमले के दर्ज किए गए। इन आकंड़ों से जाहिर है कि निर्भया कांड के बाद भी देश में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की तस्वीर नहीं बदली है। दरअसल नेताओं और सरकारों के इरादों में कमी है। देश में महिलाओं की सामूहिक तरक्की, पर्याप्त शिक्षा, बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और अन्य सुविधाओं में इजाफा नहीं होगा तब तक निर्भया जैसी घटनाओं पर सिवाए चीख-पुकार मचाने से कुछ नहीं होगा। यह सब करना सरकारों के लिए आसान नहीं है। इसलिए जब भी कोई वारदात होती है तब कानून में कुछ और धाराएं जोड़ कर सरकारें अपनी दायित्व की इतिश्री कर लेती हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया में आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 3.9 रही तीव्रता

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कोरिया मौसम ज्ञान प्रशासन (केएमए) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। दक्षिण कोरिया की मौसम एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि चीन की सीमा से सटे उत्तर कोरिया के जगंग प्रांत में 3.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम 7:41 बजे आया। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन (केएमए) ने कहा कि भूकंप का केंद्र 40.54 डिग्री उत्तर और 126.75 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। दक्षिण कोरिया की राज्य मौसम एजेंसी के अनुसार, इससे पहले 17 जनवरी, 2024 को उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण स्थल के पास 2.4 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इस दौरान नुकसान की कोई खबर नहीं मिली थी। भूकंप के झटके किल्जू के उत्तर-पश्चिम से करीब 41 किलोमीटर (25 मील) की दूरी पर महसूस किए गए थे। यह क्षेत्र उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण स्थल के पास है। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन के अनुसार, भूकंप शाम 7:00 बजे के आसपास आया और इसकी गहराई 20 किलोमीटर (12 मील) नीचे थी। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया ने 2006 और 2017 के बीच छह परमाणु परीक्षण किए हैं। 2017 के परमाणु परीक्षण के कारण 6.3 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया था, जिसके झटके चीन की सीमा तक महसूस किए गए थे।

वैश्विक स्तर पर 39 अफगान दूतावासों पर तालिबान का नियंत्रण

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर कब्जा करने और पिछली पश्चिमी देशों से समर्थित सरकार के पतन के तीन वर्ष बाद तालिबान प्रशासन का नियंत्रण वैश्विक स्तर पर 39 अफगानिस्तानी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों पर हो गया है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय सरकार ने औपचारिक रूप से तालिबान प्रशासन को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, चीन और यूएई ने अपनी राजधानियों में उसके राजदूतों को स्वीकार कर लिया है। कई सरकारों, विशेष रूप से अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने कहा है कि तालिबान की किसी भी औपचारिक मान्यता का रास्ता तब तक अटका रहेगा जब तक कि वे महिलाओं के अधिकारों पर अपना रुख नहीं बदलते। उन्हें लड़कियों व महिलाओं के लिए हाईस्कूल और विश्वविद्यालय फिर से खोलने और उन्हें पूरी आजादी देने की कार्रवाई तक यह मान्यता नहीं मिलेगी।

ध्रुवी पटेल के सिर सजा मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 का ताज, बनना चाहती है बॉलीवुड एक्ट्रेस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की कंप्यूटर इनफार्मेशन सिस्टम की छात्रा ध्रुवी पटेल ने मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 का खिलाब अपने नाम कर लिया है। इस प्रतियोगिता को जीतने के बाद ध्रुवी बेहद खुश है। उसने बॉलीवुड एक्ट्रेस और यूनिसेफ की राजदूत बनने की इच्छा जाहिर की है। ध्रुवी ने यह उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा- मिस इंडिया वर्ल्डवाइड जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। यह एक ताज से कहीं बढ़कर है। यह मेरी विरासत, मेरे मूल्यों और वैश्विक स्तर पर दूसरों को प्रेरित करने के अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 की प्रतियोगिता में सूरीनाम की लिसा अब्दोएलहक को प्रथम रनर-अप घोषित किया गया। नीदरलैंड की मालविका शर्मा ने दूसरा रनर-अप स्थान प्राप्त किया। वहीं मिसेज श्रेणी में त्रिनिदाद और टोबैगो की सुआन मौटेट ने विजय प्राप्त की। इस श्रेणी में स्नेहा नांबियार को प्रथम रनर-अप और यूनाइटेड किंगडम की पवनदीप कौर को द्वितीय रनर-अप का खिताब मिला। इसके अलावा किशोर श्रेणी में ग्वाडेलोप की सिएरा सुरेट को मिस टीन इंडिया वर्ल्डवाइड का ताज पहनाया गया। इस श्रेणी में नीदरलैंड की श्रेया सिंह को प्रथम रनर-अप और सूरीनाम की श्रद्धा टेडजो को द्वितीय रनर-अप घोषित किया गया।

कमला हैरिस को हॉलीवुड से मिल रहा एकतरफा समर्थन, ओपेरा शो में गन कल्चर को लेकर दिया बड़ा बयान

मिशिगन, एजेंसी।
अमेरिका में इस साल नंबवर में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव दिनों-दिन दिलचस्प होता जा रहा है। हॉलीवुड के सेलिब्रिटी लगातार अपने पसंदीदा उम्मीवार के सपोर्ट में उतर रहे हैं। डेमोक्रेट की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को टेलर स्विफ्ट के बाद अब मीडिया मुगल ओपरा विन्फ्रे का भी समर्थन मिल गया है। कमला हैरिस प्रेसिडेंट की रेस में लगातार आगे बढ़ती जा रही हैं।

मिशिगन में आयोजित अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के चुनावी कार्यक्रम में मीडिया दिग्गज ओपरा विन्फ्रे ने हिस्सा लिया है। इस कार्यक्रम में आव्रजन से लेकर अर्थव्यवस्था, प्रजनन अधिकारों और बंदूक हिंसा की रोकथाम जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि, इस चुनाव में अमेरिकियों के दिमाग में जो मुद्दे हैं, उनके बारे में सीधे बात करने के लिए टाउन हॉल में ओपरा का साथ होना बहुत अच्छा है।

कमला हैरिस बोलीं-हमें तय करना है अमेरिका को किस ओर ले जाना है?: राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि, इस चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है, अब हम लोगों के सामने सवाल यह है कि, इस मोड़ पर हम अपने देश को किस ओर ले जाना चाहते हैं? लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जब तक हम इसे बनाए रख सकते हैं, हममें से हर एक के पास इस सवाल का जवाब देने की शक्ति है। कमला हैरिस ने आगे कहा कि, हमारा अभियान इस बारे में है कि हम अमेरिकी के रूप में कौन हैं?

हॉलीवुड की कई हस्तियां इस कार्यक्रम में हुई शामिल: कमला हैरिस के साथ किए गए इस को शो को यूनाइट फॉर अमेरिका नाम दिया गया था। इस कार्यक्रम का लाइवस्ट्रीम भी किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 दर्शक शामिल थे। इसके अलावा इस कार्यक्रम में मशहूर हस्तियां बेन स्टिलर, जेनिफर लोपेज, ब्रायन क्रैंस्टन, क्रिस रॉक, ट्रेसी एलिस रॉस, जूलिया रॉबर्ट्स और मेरिल स्ट्रीप जैसी हस्तियां वर्चुअली शामिल हुई।

गन कल्चर पर बोलीं कमला : ओपेरा के इस शो के दौरान वोटर्स भी व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए। उनकी ओर से अमेरिका में प्रजनन नीति, स्कूल गोलीबारी समेत कई मुद्दे पर अपने अनुभव शामिल किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गन कल्चर पर कमला हैरिस ने कहा कि, मुझे लगता है कि बंदूक हिंसा के मुद्दे पर बहुत लंबे समय से कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं। वे यह कहकर इसको आगे बढ़ा रहे हैं कि या तो आप दूसरे संशोधन के पक्ष में हैं या आप सभी की बंदूकें छीन लेना चाहते हैं। मैं दूसरे संशोधन के पक्ष में हूं, और मैं हमलावर हथियारों पर प्रतिबंध, रेड फ्लैग कानूनों के पक्ष में हूं।

अगर कोई मेरे घर में घुसता है तो उसे गोली....: जब विन्फ्रे ने हैरिस से बंदूक रखने के बारे में पूछा तो उपराष्ट्रपति ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि उनके पास बंदूक है। उन्होंने आगे कहा कि, अगर कोई मेरे घर में घुसता है, तो उसे गोली मार दी जाती है। मुझे शायद ऐसा नहीं कहना चाहिए था। मेरा स्टाफ बाद में इस पर विचार करेगा।

ट्रंप से आगे चल रही हैं कमला : इस बीच 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले सामने आए नए सर्वे के मुताबिक, उपराष्ट्रपति हैरिस पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से आगे चल रही हैं। एग्रीगेटर फाइव थर्टी एट, रॉयटर्स के पोलिंग औसत के अनुसार, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन, नेवादा और उत्तरी कैरोलिना में हैरिस आगे चल रही हैं, ट्रंप को अधिक समर्थन प्राप्त था, जबकि वे एरिज़ोना में बराबरी पर चल रहे हैं। द हिल के नवीनतम पोल में हैरिस ने राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप पर औसतन 49.8 प्रतिशत और 46 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है।

दक्षिण कोरिया में महिला ने 40 साल बाद जबरन गोद लेने की शिकायत दर्ज करवाई

सियोल, एजेंसी। पश्चिमी देशों में दक्षिण कोरियाई बच्चों को गोद लेने का फैशन चल गया गया है। इसे देखते हुए दक्षिण कोरिया के अस्पतालों में जबरन बच्चों को विदेश भेज देने का काला धंधा भी चल रहा है। यूरी किम नाम की एक महिला ने 40 साल बाद जबरन गोद लेने की शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें दुनिया के दूसरे कोने से उठाकर फ्रांस लाया गया था। उन्होंने बताया कि वह अपने देश में स्कूल में पढ़ती थीं। पढ़ाई में वह काफी तेज थीं। वह अपने माता-पिता को बेहद प्यार करती थीं। हालांकि 1984 में उन्हें अनाथ घोषित कर दिया गया। इसके बाद उन्हें फ्रांस भेज दिया गया।

यूरी ने कहा कि जिन लोगों ने उन्हें गोद लिया वे बेहद लापरवाह थे। उन्होंने कोई सवाल नहीं किया। यह भी जानने की कोशिश नहीं की कि वह कहां की रहने वाली हैं। मेरे माता-पिता जीवित हैं या नहीं। यूरी किम एक अडॉप्शन मशीन में फंस गई थीं जिसके माध्यम से कोरिया के बच्चों को उनके परिवारों से अलग करके यूएस, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया भेज दिया जाता है। बालिग होने के बाद बहुत सारे लोगों को पता चला कि उनका अडॉप्शन सर्टिफिकेट भी जाली था।

असोसिएट प्रेस ने कहा कि दक्षिण कोरिया भी इस गोरखधंधे को लेकर लापरवाह है और अपनी आंखें बंद किए हुए हैं। दस्तावेज बताते हैं कि दक्षिण कोरिया की अडॉप्शन एजेंसियां भी आपस में होड़ लगाती है। ऐसे में वे किसी तरह से फर्जी दस्तावेज बनवाकर, मां-बाप को बरगलाकर बच्चों को विदेश भेज देती हैं। कई बार अस्पताल रिश्वत लेते हैं। या फिर बच्चों की मां से झूठ बोल दिया जाता है।

मुस्लिम अमेरिकियों का जिल स्टीन की ओर रुख, कमला हैरिस के लिए झटका

वाशिंगटन , एजेंसी।
गाजा में इजरायल के हमले के लिए अमेरिकी समर्थन से नाराज अरब अमेरिकी और मुस्लिम मतदाता राष्ट्रपति पद की दौड़ में डेमोक्रेट कमला हैरिस को दरकिनार कर रहे हैं और तीसरे पक्ष यानी ग्रीन पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार जिल स्टीन का समर्थन कर रहे हैं। यह हैरिस को कुछ राज्यों में जीत से वंचित कर सकता है।

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है।अगस्त के अंत में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर इस महीने जारी किए गए काउंसिल आन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस के आंकड़ों से पता चला है कि मिशिगन जहां पर कि एक बड़ा अरब अमेरिकी समुदाय रहता है, में 40त??न मुस्लिम मतदाताओं ने जिल स्टीन का समर्थन किया।

रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में 18 फीसदी वोटर दिखे। कमला हैरिस जोकि वर्तमान में उपराष्ट्रपति हैं, को 12 फीसदी का साथ मिला। स्टीन बड़े मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्र एरिजोना और विस्कान्सिन में हैरिस से आगे हैं। यहां जो बाइडन ने 2020 में ट्रंप को मामूली अंतर से हराया था।

पुलिस ने लाहौर में प्रस्तावित रैली से पहले कई नेता किए गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पंजाब पुलिस ने उसके संगठन पर कार्रवाई शुरू कर दी है और शनिवार को लाहौर में होने वाले उसके प्रस्तावित शक्ति प्रदर्शन से पहले पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली एजाज बुट्टर ने कहा कि पुलिस ने 'पीटीआई के नेताओं अली इम्तियाज वराइच, अफजल फात और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं को शनिवार (21 सितंबर) को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान के मैदान में होने वाले पार्टी के शक्ति प्रदर्शन से पहले हिरासत में ले लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सरकार की ''फासीवादी रणनीति के बावजूद 'पीटीआई लाहौर में एक ऐतिहासिक रैली आयोजित करेगी। 'पीटीआई संस्थापक खान ने जनता से अपने घरों से बाहर निकलने और 21 सितंबर की रैली में भाग लेने को कहा है। 'पीटीआई नेता सनम जावेद ने कहा, ''पंजाब, खासकर लाहौर के लोगों के लिए यह इमरान खान का समर्थन करने का एक शानदार अवसर है। इस बीच, 'पीटीआई ने लाहौर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अनुरोध किया कि वह राज्य सरकार को शनिवार की रैली से पहले उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं को परेशान न करने और गिरफ्तार नहीं किये जाने का आदेश दे।

माली में इस्लामी आतंकियों ने यूएन के चार्टर्ड प्लेन को किया तबाह

बामाको, एजेंसी।
माली की राजधानी बामाको में एक चिंताजनक घटनाक्रम में इस्लामी आतंकवादियों ने एक सैन्य प्रशिक्षण शिविर और शहर के हवाई अड्डे पर हमला किया है। हिंसा के इस निर्लज्ज कृत्य के परिणामस्वरूप दक्षिण अफ्रीकी विमानन कंपनी, नेशनल एयरवेज कॉरपोरेशन (एनएसी) के स्वामित्व वाला एक विमान क्षतिग्रस्त हो गया। यह विमान विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के तहत मानवीय प्रयासों में लगे अभियान के लिए था। हालांकि, इसे हमले के बाद एनएसी ने पुष्टि की है कि उनके चालक दल और कर्मचारी सुरक्षित हैं और उन्हें एक दूर सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। कंपनी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और माली के नागरिकों की सहायता करने के उनके मिशन की मार्मिक विडंबना को उजागर किया, जो इस तरह की हिंसा से प्रभावित है। एनएसी ने दुख जताते हुए कहा, यह एक दुखद स्थिति है कि माली के नागरिकों के समर्थन में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के तहत मानवीय कार्य करते समय हमारी संपत्ति एक साथी अफ्रीकी देश में क्षतिग्रस्त और नष्ट हो जाती है। माली, बुर्किना

फासो और नाइजर के साथ, एक दशक से अधिक समय से अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े विभिन्न सशस्त्र समूहों के साथ घातक संघर्ष में उलझा हुआ है। इन देशों में हाल ही में हुए सैन्य तख्तापलट ने सुरक्षा परिदृश्य को और जटिल बना दिया है, सरकारों ने फ्रांसीसी सेना को खदेड़ दिया है और रूसी भाड़े के समूहों से सहायता मांगी है। इन प्रयासों के बावजूद, जिहादी हमलों में वृद्धि, विशेष रूप से मध्य और उत्तरी माली में, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उल्लेखनीय रूप से जुलाई में एक घटना में लगभग 50 रूसी भाड़े के सैनिक अल-कायदा के घात का शिकार हुए। अधिकारियों के अनुसार, बामाको में हुए हमले जो अपेक्षाकृत कम होते हैं, उसमें माली सैनिकों ने उग्रवादियों का सामना किया है जिसकी वजह से कई सैनिक मारे गए। अल-कायदा से जुड़े समूह जेएनआईएम ने हमलों की जिम्मेदारी ली है और दावा किया है कि इसने महत्वपूर्ण मानव और भौतिक नुकसान पहुंचाया है। इस दावे को जेएनआईएम की वेबसाइट अज़ालक पर पोस्ट किए गए वीडियो से बल मिला, जिसमें लड़ाके एक विमान को आग लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया से हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग की

सोल, एजेंसी।
दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्री किम जंग-हो ने शुक्रवार को उत्तर कोरिया से एक दक्षिण कोरियाई मिशनरी और पांच अन्य नागरिकों को तत्काल और बिना शर्त वापस भेजने का आह्वान किया। उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा वर्षों से मनमाने ढंग से हिरासत में रखने की निंदा करते हुए इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला बताया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के शीर्ष अधिकारी ने मिशनरी किम जंग-वुक की 2013 में प्योंगयांग में गिरफ्तारी के 4,000 दिन पूरे होने पर एक बयान जारी किया। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में उन्हें आजीवन कठोर श्रम की सजा सुनाई गई थी।

साल 2014 में किम कूक-की और चोई चुन-गिल दो अन्य दक्षिण कोरियाई मिशनरियों को भी इसी तरह के आरोपों में उत्तर कोरिया में हिरासत में लिया गया था। साथ ही तीन पूर्व उत्तर कोरियाई भगोड़ों (जिन्होंने दक्षिण

कोरियाई नागरिकता प्राप्त कर ली थी) को 2016 में बंदी बना लिया गया था। किम ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम कोरिया गणराज्य के संक्षिप्त नाम का प्रयोग करते हुए बयान में कहा, आरओके सरकार उत्तर कोरिया के अवैध और मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करती है तथा उत्तर कोरिया से, जो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समझौतों का एक पक्ष है, दृढतापूर्वक आग्रह करती है कि वह अवैध रूप से हिरासत में लिए गए हमारे नागरिकों को तत्काल और बिना शर्त रिहा करे।

मंत्री ने छह व्यक्तियों को निष्पक्ष और सार्वजनिक सुनवाई के बिना अनुचित और अत्यधिक सजा सुनाने, गिरफ्तारी और हिरासत के दौरान बुनियादी प्रक्रियात्मक न्याय प्रदान करने में विफल रहने तथा मनमाने ढंग से हिरासत जारी रखने के लिए उत्तर कोरिया की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा, उत्तर कोरिया को हमारे नागरिकों के जीवन और सुरक्षा से संबंधित हमारी वैध मांगों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए तथा उसे इस मुद्दे की गंभीरता को स्पष्ट रूप से पहचानना चाहिए, साथ ही सार्वभौमिक मानवाधिकार मानदंडों के बार-बार उल्लंघन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की कड़ी चेतावनियों को भी स्वीकार करना चाहिए। किम ने दक्षिण कोरियाई अपहृतों, बंदियों और युद्धबंदियों के मुद्दे को सुलझाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की भी शपथ ली, तथा यह सुनिश्चित करने की बात कही कि जापानी अपहृत और अन्य देशों के लोग अब उत्तर कोरिया के मानवाधिकार हनन का शिकार न बनें।

कुष्ठ रोग को खत्म करने वाला दुनिया में पहला देश बना जॉर्डन : डब्ल्यूएचओ

अम्मान, एजेंसी।
विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को जॉर्डन को कुष्ठ रोग को खत्म करने वाला दुनिया का पहला देश घोषित किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, डब्ल्यूएचओ जॉर्डन को इस प्रभावशाली उपलब्धि के लिए बधाई देता है। कुष्ठ रोग ने हजारों सालों से मानवता को पीड़ित किया है, लेकिन हम देश-दर-देश इसके संक्रमण को रोक रहे हैं और व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को इसके दुख और कलंक से मुक्त कर रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जॉर्डन ने दो दशकों से अधिक समय से कुष्ठ रोग के किसी भी मामले की सूचना नहीं दी है। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने इस सफलता का श्रेय मजबूत राजनीतिक

प्रतिबद्धता और प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को दिया। डब्ल्यूएचओ ने कुष्ठ रोग के उन्मूलन की पुष्टि करने में स्वास्थ्य मंत्रालय की रुचि के बाद इस स्थिति का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र टीम को नियुक्त करने के बाद यह घोषणा की। डब्ल्यूएचओ के वैश्विक कुष्ठ रोग कार्यक्रम की प्रमुख दक्षिण-पूर्व एशिया की डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने कहा, जॉर्डन द्वारा सदियों पुरानी इस बीमारी का उन्मूलन सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और वैश्विक स्तर पर कुष्ठ रोग को खत्म करने के प्रयासों के लिए एक बड़ी सफलता है।

वाजेद ने कहा कि सिर्फ़ एक बीमारी नहीं, बल्कि कुष्ठ रोग कलंक और मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक-आर्थिक नुकसान के खिलाफ़ एक लड़ाई भी है। बता दें कि कुष्ठ रोग माइकोबैक्टीरियम लेप्री के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है, जो अनुपचारित रोगियों के साथ नज़दीकी और लगातार संपर्क के दौरान नाक और मुंह से निकलने वाली बूंदों के जरिए फैल सकता है। इसे हैनसेन रोग के रूप में भी जाना जाता है, और यह मुख्य रूप से त्वचा, परिधीय तंत्रिकाओं, ऊपरी श्वसन पथ की म्यूकोसल सतहों और आंखों को प्रभावित करता है। कुष्ठ रोग मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) से ठीक हो सकता है और जल्दी निदान और उपचार से विकलांगता को रोका जा सकता है। 2019 के आंकड़ों के अनुसार, भारत, ब्राज़ील और इंडोनेशिया में कुष्ठ रोग के 10,000 से ज़्यादा नए मामले सामने आए। लगभग 13 अन्य देशों - बांग्लादेश, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, मेडागास्कर, मोजाम्बिक, म्यांमार, नेपाल, नाइजीरिया, फिलीपींस, सोमालिया, दक्षिण सूडान, श्रीलंका और तंजानिया संयुक्त गणराज्य में से प्रत्येक ने 1000-10,000 नए मामले दर्ज किए।

सुरक्षा परिषद में आज की दुनिया दिखनी चाहिए, पूर्व यूएन प्रमुख ने किया भारत का समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आगामी अमेरिका दौरे पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भी शिरकत करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक और पीएम मोदी के संबोधन को लेकर संयुक्त राष्ट्र की पूर्व अध्यक्ष मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा ने कहा कि मुझे बताया गया है कि 130 देशों के राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन में शामिल होंगे। इससे सम्मेलन की राजनीतिक अहमियत का पता चलता है। सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष संयुक्त राष्ट्र 2.0 की परिकल्पना और जरूरी सुधारों के लिए प्रतिबद्ध हैं। एस्पिनोसा ने कहा कि यह केवल सुरक्षा परिषद नहीं है, बल्कि यह शांति और सुरक्षा वास्तुकला, शांति के लिए नए एजेंडे, महासभा के पुनरोद्धार, अंतरिक्ष और पर्यावरण एजेंडे और जलवायु परिवर्तन की भूमिका के बारे में सोचना है, जो मूल संयुक्त राष्ट्र चार्टर से अनुपस्थित था। यह आज विकासशील देशों की जरूरतों का जवाब देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला में सुधार करने के बारे में है। भारत द्वारा लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग की जा रही है। इस पर पूर्व यूएन अध्यक्ष ने भी भारत का समर्थन करते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग बीते 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से हो रही है। भविष्य के समझौतों में सुरक्षा परिषद में सुधार को भी शामिल किया जाना चाहिए और ये सभी का मानना है कि सुरक्षा परिषद में आज की दुनिया दिखनी चाहिए।

राजस्थान रॉयल्स ने विक्रम राठौर को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स ने भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। इस कदम से राठौर, जो भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और चयनकर्ता हैं, फ्रेंचाइजी में राहुल द्रविड़ के साथ फिर से जुड़ गए हैं, इससे पहले जून में पुरुषों के टी20 विश्व कप में जीत के साथ राष्ट्रीय टीम में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था। राठौर ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, रॉयल्स परिवार का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है। राहुल के साथ फिर से काम करने का अवसर, और अब युवा क्रिकेटरों के एक प्रतिभाशाली समूह के साथ, बेहद रोमांचक है। मैं टीम के विजन में योगदान देने और रॉयल्स और भारत के लिए शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को विकसित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो चैंपियनशिप जीतने में मदद कर सकते हैं।

राठौर ने 2019 से 2024 तक टीम के बल्लेबाजी कोच बनने से पहले भारत के लिए छह टेस्ट और सात वनडे मैच खेले। उनके कार्यकाल में ऋषभ पंत, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों ने राष्ट्रीय टीम में सभी प्रारूपों में प्रमुखता हासिल की।

आरआर के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, कई वर्षों तक विक्रम के साथ मिलकर काम करने के बाद, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, शांत व्यवहार और भारतीय परिस्थितियों की गहरी समझ उन्हें रॉयल्स के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है।

द्रविड़ ने कहा, साथ मिलकर, हमने एक मजबूत तालमेल बनाया है, भारत को महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाई हैं, और मैं उनके साथ फिर से जुड़कर रोमांचित हूं। युवा प्रतिभाओं को निखारने और खिलाड़ियों की क्षमता को बढ़ाने की उनकी क्षमता अमूल्य होगी क्योंकि हमारा लक्ष्य अपनी टीम को और मजबूत करना और राजस्थान रॉयल्स को एक विश्व स्तरीय टीम बनाना जारी रखना है। 2019 में भारतीय टीम में बल्लेबाजी कोच के रूप में प्रवेश करने से पहले, राठौर ने चार साल तक राष्ट्रीय चयनकर्ता के रूप में भी काम किया। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब और हिमाचल प्रदेश को भी कोचिंग दी और आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ भी काम किया।

हाल ही में, राठौर ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड के सहयोगी स्टाफ के सदस्य थे, जो लगातार बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण एक भी गेंद फेंके बिना समाप्त हो गया था।

सुमित ने डेविड कप खेलने के लिए मांगी मोटी फीस! एआईटीए ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईटीए ने हाल ही में यह भी कहा था कि नागल ने जानबूझकर देश के लिए खेलने से मना किया था। नागल के हटने का परिणाम भी टीम को भुगतना पड़ा क्योंकि भारत स्वीडन के खिलाफ एकल विशेषज्ञ के बिना खेलने उतरा था जिस कारण टीम को 0-4 से हार झेलनी पड़ी।भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ हाल ही में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया था। हालांकि, इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है क्योंकि अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरुवार को बड़ा दावा किया है। एआईटीए का कहना है कि नागल ने डेविस कप मुकाबले में खेलने के लिए 50000 यूएस डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) की वार्षिक फीस मांगी थी। एआईटीए ने हाल ही में यह भी कहा था कि नागल ने जानबूझकर देश के लिए खेलने से मना किया था। नागल के हटने का परिणाम भी टीम को भुगतना पड़ा क्योंकि भारत स्वीडन के खिलाफ एकल विशेषज्ञ के बिना खेलने उतरा था जिस कारण टीम को 0-4 से हार झेलनी पड़ी। नागल एटीपी 250 हांग्झोउ ओपन में शामिल हुए थे और उन्हें बृहस्पतिवार को खेलना था लेकिन पीठ दर्द के कारण उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, मुझे बताएं एक खिलाड़ी को देश के लिए खेलने के लिए पैसे क्यों मांगने चाहिए। यह एक बड़ा सवाल है। उन्होंने 50,000 यूएस डॉलर की सालाना फीस मांगी थी और कहा था कि अगर उन्हें भुगतान नहीं किया गया तो वह नहीं खेलेंगे। देश को तय करने दें कि यह सही है या नहीं। फिर यह सरकार और सभी का फैसला होगा। खिलाड़ियों को टॉप्स के जरिये भी भुगतान किया जाता है और ऐसा नहीं है कि उन्हें डेविस कप खेलने के लिए भुगतान नहीं किया जाता। उन्हें भुगतान किया जाता है।

फिर चला चहल का जादू, 5 विकेट लेकर टीम को दिलाई शानदार जीत

नॉर्थम्पटन (इंग्लैंड), एजेंसी। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने लगातार दूसरे मैच में पांच विकेट चटकाए जिससे नॉर्थम्पटनशर ने इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में लीसेस्टरशर पर नौ विकेट से जीत दर्ज की। पहली पारी में 82 रन पर चार विकेट लेने वाले चहल ने दूसरी पारी में 134 रन पर पांच विकेट लिए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने नौवीं बार पांच विकेट लिए। नॉर्थम्पटनशर ने गुरुवार को यहां काउंटी मैच में लीसेस्टरशर की दूसरी पारी को 316 रन पर समेट दिया। नॉर्थम्पटनशर को इसके बाद जीत के लिए 137 रन की जरूरत थी और टीम ने 30.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर इसे हासिल कर लिया। कप्तान ल्यूक प्रॉक्टर (नाबाद 68) और जॉर्ज बार्टलेट (नाबाद 54) को लक्ष्य का पीछा करने में कोई परेशानी नहीं हुई। चहल ने इस दौरान लीसेस्टरशर के कप्तान लुईस हिल (14), लियाम ट्रेवास्किस (2), स्कॉट करी (120) जैसे अहम बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने पिछले मैच की दो पारियों में भी 45 रन पर पांच और 45 रन पर चार विकेट लेकर डर्बीशर के खिलाफ अपनी टीम की 133 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत-बांग्लादेश टेस्टः

भारत की पहली पारी 376 पर सिमटी, 24 साल के महमूद हसन ने चेन्नई में रचा इतिहास

चेन्नई , एजेंसी। चेन्नई टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की पहली पारी 376 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज महमूद हसन के कहर के बाद आर अश्विन और रविंद्र जडेजा ने भारतीय टीम की नैया पार की। अश्विन ने अपने घरेलू मैदान पर एक बार फिर शतकीय पारी खेली। वहीं बांग्लादेश के हसन ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया। हसन महमूद ने चेन्नई टेस्ट मैच में पांच विकेट झटके। अपने 22.2 ओवर के स्पेल में 83 रन दिए और पांच विकेट अपने नाम किए। हसन ने भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल को दहाई का आंकड़ा भी नहीं छूने दिए। वहीं ऋषभ पंत को भी 39 रन के स्कोर पर आउट किया। महमूद ने जसप्रीत बुमराह को आउट करके पांच विकेट पूरे किए। यह हसन महमूद का लगातार दूसरा पांच विकेट हॉल है।

संजू ने ठोका शतक, पारी के दौरान लगाए 12 चौके और तीन छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने दलीप ट्रॉफी प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा। शुक्रवार 20 सितंबर को इंडिया बी के खिलाफ इंडिया डी के लिए खेलते हुए उन्होंने 92 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की। यह सैमसन का 11वां प्रथम श्रेणी शतक था। संजू सैमसन पहले दलीप ट्रॉफी टीम में नहीं थे, लेकिन ईशान किशन के चोटिल होने के कारण चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम डी में केरल के विकेटकीपर को प्रतिस्थापन के तौर पर शामिल करना पड़ा। सैमसन ने पहले राउंड में बेंच पर बैठने के बाद दूसरे राउंड में इंडिया ए के खिलाफ 5 और 40 रन बनाए थे।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान ने तीसरे और अंतिम राउंड में इस मौके का पूरा फायदा उठाया। नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन ने सुनिश्चित किया कि इंडिया डी बल्ले से अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखे। सैमसन ने इंडिया बी की बेहतरीन गेंदबाजी इकाई के खिलाफ आक्रामक पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाए, जिसमें मुकेश कुमार, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, राहुल चाहर और नवदीप सैनी जैसे गेंदबाज शामिल थे।

सैमसन ने सारांश जैन और रिकी भुई के साथ मिलकर बेहतरीन साझेदारी की और आक्रामक भूमिका निभाई। इंडिया डी के शीर्ष तीन बल्लेबाजों देवदत्त पडिक्कल (50), केएस भरत (52) और रिकी भुई (56) ने अर्धशतक जमाए। सैमसन के शतक ने उन्हें पहली पारी में 349 रन के आसान स्कोर तक पहुंचाया।

इंडिया डी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और निशांत सिंधु (19) और कप्तान श्रेयस अय्यर (0) जल्दी आउट हो गए। हालांकि, सैमसन ने काउंटर-अटैकिंग पारी खेलकर सुनिश्चित किया कि इंडिया बी के गेंदबाज नियंत्रण न कर लें। सैमसन पहले दिन स्टंप्स तक 89 रन बनाकर नाबाद थे और उन्होंने शुक्रवार की सुबह अपना शतक पूरा कर लिया। नवदीप सैनी ने सैमसन को 101 गेंदों में 106 रन पर आउट कर दिया। यह शतक अक्टूबर में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले संजू सैमसन के आत्मविश्वास को काफी बढ़ा देगा। 29 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केरल के लिए दमदार प्रदर्शन करके खुद को मैच में बनाए रखना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने बेहद प्रतिस्पर्धी दलीप ट्रॉफी में लाल गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना और शीर्ष 10 में आना है, खेल मंत्री मांडविया का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इस साल 117 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था। यह संख्या बिल्कुल रियो ओलंपिक के बराबर की थी। हमने पदक जरूर रियो से ज्यादा जीते, लेकिन रैंक में काफी पिछड़ गए। भारत पेरिस में 71वें स्थान पर रहा।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना और पदक तालिका में शीर्ष 10 में आना है। मांडविया ने पुणे के एसपी कॉलेज में 'विकसित भारत एंबेसडर-युवा कनेक्ट' पहल पर बोलते हुए कहा, विकसित भारत में खेल क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है क्योंकि हमारा लक्ष्य हर क्षेत्र में खुद को विकसित करना है।

उन्होंने कहा, 2047 तक हमारा लक्ष्य खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम 2047 का मौका नहीं चूकें। हमें विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार करने होंगे। खेल मंत्री ने कहा, ऐसी प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए हमने खेलो इंडिया की शुरुआत की। खेलो इंडिया की मदद से युवा खिलाड़ियों को खेलने के अवसर मिलने चाहिए।

हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज कुसाले इस कार्यक्रम में मौजूद थे। मांडविया ने कहा, हमें खेल प्रतिभाओं की पहचान करनी होगी और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी।

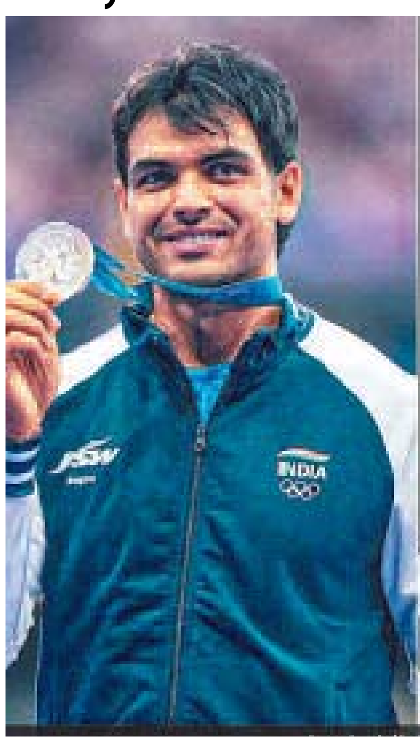

आने वाले दिनों में ये प्रतिभायें स्वप्निल कुसाले जैसी खिलाड़ी बनेंगी। हमारा लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन भारत में कराना है और हमारी योजना पदक तालिका में शीर्ष 10 में आने की है। भारत ने इस साल 117 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था। यह संख्या बिल्कुल रियो ओलंपिक के बराबर की थी। हमने पदक जरूर रियो से ज्यादा जीते, लेकिन रैंक में काफी पिछड़ गए। भारत पेरिस में 71वें स्थान पर रहा। ओलंपिक में 24 साल बाद ऐसा हुआ जब भारत का रैंक 70 से नीचे पहुंचा हो। इस बार भारत ने कुल छह मेडल अपने नाम किए जिनमें पांच कांस्य और एक रजत पदक शामिल है। वहीं, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने एक स्वर्ण के साथ सात पदक जीते थे।

डेविस कप

इटली का सामना फाइनल आठ के पहले मैच में अर्जेंटीना से

लंदन, एजेंसी। मौजूदा डेविस कप चैंपियन इटली नवंबर में मलागा में फाइनल 8 नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से भिड़ने के लिए तैयार है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक धमाकेदार मुकाबले के लिए तैयार है। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से क्वालीफाई किया है और वे 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के तटीय शहर मलागा में पलासियो डी डेपोर्टेस जोस मारिया मार्टिन कार्पेना में मुकाबला करेंगे। विश्व नंबर एक जैनिक सिनर के बिना अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजयी रही इतालवी टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को मजबूत करने की कोशिश करेगी। सिनर, जो ग्रुप चरण से चूक गए थे, अर्जेंटीना के खिलाफ इटली के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं, जो पहले से ही प्रतिभा से भरी टीम में जोश भर देंगे।

अर्जेंटीना ने ग्रेट ब्रिटेन और कनाडा जैसे दिग्गजों वाले कठिन ग्रुप को पार करके अंतिम आठ में अपना स्थान सुरक्षित किया। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के पास गत चैंपियन को चुनौती देने के लिए तैयार होने के लिए बहुत सारे विकल्प होंगे, जिसमें दो एकल मैच और एक युगल निर्णायक मैच होगा जो प्रत्येक मुकाबले का परिणाम निर्धारित करेगा।इस बीच, डेविस कप इतिहास में 32 खिताबों के साथ सबसे सफल टीम, संयुक्त राज्य अमेरिका, 28 खिताबों के साथ दूसरे सबसे सफल देश ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए तैयार है। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी गायब थे, लेकिन मलागा में दांव एक मजबूत अमेरिकी लाइनअप को एक दुर्जेय ऑस्ट्रेलियाई पक्ष के साथ आमने-सामने देख सकता है। अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान देश स्पेन का सामना नीदरलैंड से होगा, और कनाडा का सामना जर्मनी से होगा। स्पेन दुनिया के तीसरे नंबर के कार्लोस अल्काराज़ पर भरोसा कर सकता है, जो उन्हें अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करता है।

ट्रेविस हेड का फिर गरजा बल्ला, ब्लू जर्सी वाली इंग्लैंड के खिलाफ बनाया ये रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी। 19 नवंबर 2023 का दिन भारतीय फैंस से भुलाए नहीं भुलता. इस दिन ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया के चैंपियन बनने का सपना तोड़कर दोबारा से 2003 के वनडे वर्ल्ड कप जैसा जख्म दिया था. वहीं ट्रेविस हेड ने भारत की ब्लू आर्मी के सामने अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेली थी. उन्होंने महज 120 गेंद में 137 रन ठोककर फाइनल को एकतरफा कर दिया था. हेड ने गुरुवार 19 सितंबर को एक बार फिर से इसी काम को ट्रेंट ब्रिज में दोहराया है. अब देखकर फैंस को लगने लगा है कि हेड को 19 तारीख और ब्लू जर्सी से कुछ खास लगाव है. इसलिए इस तारीख और इस रंग की जर्सी को देखते ही उनका बल्ला गरजने लगता है.

हेड ने की बाउंड्री की बरसात, बनाया ये रिकॉर्ड

ट्रेविस हेड का ब्लू जर्सी और 19 तारीख के साथ

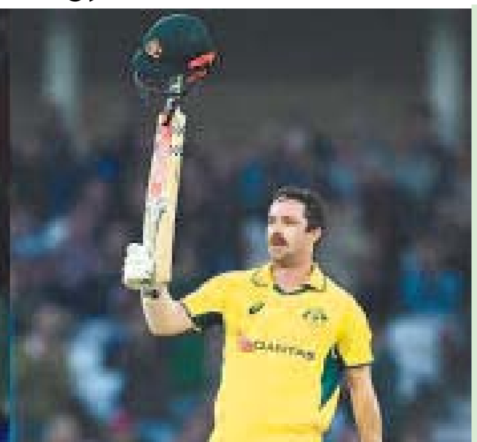

पुराना नाता रहा है. इसकी शुरुआत भारत के खिलाफ 2023 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल से हुई थी. तब ऑस्ट्रेलिया के सिर्फ 47 रन पर 3 विकेट गंवाने के बाद हेड ने 120 गेंद में 137 रन की यादगार पारी खेलकर भारत के चैंपियन बनने के सपने को चकनाचुर कर दिया था. इस दौरान उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के जड़े थे. उन्होंने आईपीएल में यही काम मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी किया था. अब उनका बल्ला इंग्लैंड की ब्लू जर्सी वाली टीम के सामने गरजा है.

हेड ने ब्लू जर्सी वाली इंग्लैंड की वनडे टीम के खिलाफ महज 129 गेंद में 158 रन ठोक दिए. इस दौरान उन्होंने 20 चौके और 5 छक्के लगाए, यानि 110 रन सिर्फ बाउंड्री से बना दिए. इसके साथ इंग्लैंड के खिलाफ दो बार 150 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया लगातार अंतराल पर विकेट गंवा रही थी. लेकिन हेड ने एक छोर से अटैक जारी रखा और मुकाबले को एकतरफा कर दिया. उनकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 44 ओवर में 316 रन के लक्ष्य को चेज कर लिया. ये संयुक्त रूप से ऑस्ट्रेलिया की चौथी सबसे बड़ी चेज है.

फैंस ने ऐसे किया रिएक्ट

हेड पिछले डेढ़ साल से जिस फॉर्म में उसने क्रिकेट फैंस को हैरत में डाल दिया है. इंग्लैंड के खिलाफ छक्के-चौकों की बरसात करता देख भारतीय फैंस को फिर से टीम इंडिया के खिलाफ फाइनल वाली पारी याद गई. उन्होंने हेड की तूफानी पारी को ब्लू जर्सी और 19 तारीख से जोड़ते हुए दिलचस्प तरीके से रिएक्ट किया है

इन टिप्स से रखें मेंटल हेल्थ का ख्याल

आजकल तनाव न चाहते हुए भी हम सभी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। स्ट्रेस का बुरा असर, हमारी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर होता है। अक्सर फिजिकल हेल्थ खराब होने पर जब इसके लक्षण नजर आते हैं, तो हम आसानी से इन्हें समझ लेते हैं और इसे ठीक करने की कोशिश में भी लग जाते हैं। लेकिन, मेंटल हेल्थ खराब होने पर इसके लक्षणों को हम या तो समझ नहीं पाते हैं या नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर महिलाएं अपनी मेंटल हेल्थ पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती हैं। तनाव और चिंता की वजह से अगर आपके चेहरे की मुस्कुराहट भी कहीं खो गई है, तो आपको अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है।

मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

- एक्सपर्ट का कहना है कि मेंटल हेल्थ को सही रखने के लिए, डाइट बहुत जरूरी है। डाइट में पोषक तत्वों की कमी भी मेंटल हेल्थ पर असर डाल सकती है।
- अगर आप अधिक तनाव में हैं और इसकी वजह से आपका किसी काम में मन नहीं लग रहा है या आप हर वक्त परेशान रहती हैं, तो किसी से इस बारे में खुलकर बात जरूर करें।
- ओवरथिंकिंग की वजह से भी मेंटल हेल्थ खराब होती है। इसलिए, किसी भी चीज या डर को लेकर, बहुत अधिक न सोचें वरना इसका असर आपकी सेहत पर हो सकता है।
- किसी बात को बार-बार सोचने से, स्ट्रेस और एंग्जायटी बढ़ने लगती है। इसकी वजह से सिरदर्द, शरीर में दर्द और घबराहट हो सकती है। इसलिए, ज्यादा न सोचें और मन को शांत रखने की कोशिश करें।
- एक्सरसाइज, मेडिटेशन और प्राणायाम भी मेंटल हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है। इसलिए, इसे रूटीन का हिस्सा जरूर बनाएं।
- जब आपको स्ट्रेस या एंग्जायटी महसूस हो, तो गहरी सांस लें और कुछ देर के लिए सारी चीजों पर से ध्यान हटाने की कोशिश करें।
- दिन में कुछ समय उन चीजों को जरूर दें, जो आपको खुशी देती हों।

क्या है प्रेसबायोपिया? इसके लक्षण और कारण

प्रेसबायोबिया आंखों से जुड़ी एक बीमारी जिसमें आंखों की करीब वस्तुओं पर फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है।

प्रेसबायोपिया आंखों से संबंधित एक विकार है। इस शब्द को ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है बूढ़ी आंख, यह एक ऐसी स्थिति होती है जब आपकी धीरे-धीरे चीजों को करीब से स्पष्ट रूप से देखने की क्षमता खो देती है। इस स्थिति में नजदीकी वस्तुओं पर तेजी से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। आमतौर पर यह 40 से 45 साल की उम्र में शुरू होती है और समय के साथ बिगड़ती जाती है। यह बाकी उम्र से संबंधित दृष्टि समस्याओं जैसे अंधापन, हाइपरोपिया मायोपिया से अलग है। यह एक प्राकृतिक परिवर्तन है जो लगभग सभी लोगों को प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने हेल्थ एक्सपर्ट से बाती है।

प्रेसबायोपिया के लक्षण

- छोटी लेखन सामग्री पढ़ने में कठिनाई होती है, खासकर अगर रोशनी बहुत कम है।
- जब आपको यह बीमारी होती है तो आप अपने स्मार्टफोन या किसी भी किताब, मेनू , लेबल को अधिक स्पष्ट रूप से देखने के लिए अपनी आंखों से दूर रखते हैं।
- कोई नजदीकी काम करते हैं या कुछ नजदीक रखकर पढ़ते हैं तो इसे सिर में दर्द और आंखों में तनाव होना।

प्रेसबायोपिया के कारण

- आंखों की उम्र बढ़ाने की प्रक्रिया प्रेसबायोपिया की ओर ले जाती है।
- समय के साथ आंखों का आंतरिक लेंस लचीला नहीं रहता है, जिससे नजदीकी वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।
- उम्र के साथ लेंस को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियां कमजोर हो जाती है।
- यह अनुवांशिक भी हो सकती है। अगर आपके घर में माता-पिता या दादा- दादी कोप्रेसबायोपिया था तो आपको भी यह स्थिति होने की संभावना ज्यादा रहती है।
- डायबिटीज,उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारी सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों में भीप्रेसबायोपिया हो सकता है।
- आंखों की चोट के कारण भी लेंस को नियंत्रित करने वाले मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है,इससे भी प्रेसबायोपिया हो सकता है।

पैरों के तलवे में होती है जलन इन टिप्स से मिलेगा आराम

क्या आपको भी पैरों के तलवे में जलन होती है, जलन के मारे काम करना भी मुश्किल हो जाता है तो हम आपको कुछ आजमाए हुए टिप्स बता रहे हैं जिससे आपको काफी आराम मिल सकता है। अक्सर लोगों को पैरों के तलवे में जलन की शिकायत होती है। यह एक असहज और परेशान करने वाली समस्या होती है, कई बार जलन के कारण नींद भी नहीं आती है और काम भी प्रभावित होता है। अगर आप भी इस स्थिति का सामना करते हैं तो हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको तलवे में जलन से राहत मिल सकती है।

पैरों के तलवे में जलन क्यों होती है?

- पैरों की अत्यधिक गर्मी के कारण ऐसा हो सकता है। अगर आप लंबे वक्त तक जूते पहने रह सकते हैं तो इसके कारण तलवे में जलन हो सकती है।
- खराब रक्त प्रवाह के कारण भी पैरों के तलवे में जलन हो सकती है।
- शरीर में आयरन और विटामिन B12 की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है।

पैरों के तलवे की जलन दूर करने के उपाय

- तलवे में अगर बहुत ज्यादा जलन होती है तो आप ठंडा पानी में 20 मिनट तक पैरों को डूबा कर रख सकते हैं। आप चाहे तो इसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डाल सकते हैं, इससे काफी आराम महसूस होगा।
- इसके अलावा आप तलवे में हो रही जलन को दूर करने के लिए तलवों की मालिश कर सकते हैं, मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और जलन में आराम मिलता है।
- अपने आहार में आयरन विटामिन B12 जैसे पोषक तत्व शामिल करें, इससे शरीर में खून बढ़ता है और रक्त प्रवाह को बनाए रखने में मदद मिलती है।
- तलवे के जलन को कम करने के लिए आप मेहंदी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रात के समय पैरों में मेहंदी लगा लें और सुबह उठकर धो लें इससे तलवे में ठंडक मिलती है।
- इसके अलावा आप पैरों में एलोवेरा और चंदन का लेप लगा सकते हैं। इन दोनों ही चीजों की तासीर ठंडी होती है। इसका पेस्ट बना ले और तलवे पर भी 20 मिनट तक लगा कर रखें, फिर साफ पानी से धो लें।
- अगर इन उपायों को आजमाने के बाद भी आपको राहत नहीं मिलती है तो आपको डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

एक दिन में कितनी चीनी खाना है सेफ?

चीनी...यह एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही मुंह में मिठास घुलने लगती है। चीनी जिस तरह से हर मिठाई, हलवे और खीर का स्वाद बढ़ाती है, उसी तरह से बीमारियों का खतरा भी बढ़ाती है। वजन बढ़ने से लेकर डायबिटीज तक, चीनी शरीर के लिए कई तरह से नुकसानदायक मानी जाती है। ऐसे में कई लोगों ने चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा दिया है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो चीनी को अपनी थाली से बिल्कुल नहीं निकाल पा रहे हैं और भरपूर मीठा खा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक दिन में कितना चीनी यानी शुगर का सेवन करना आपके लिए सेफ है।

अति किसी भी चीज की बुरी होती है, यह बात चीनी के सेवन के मामले में भी लागू होती है। डॉक्टर्स से लेकर हेल्थ एक्सपर्ट भी इस बात को मानते हैं कि व्हाइट शुगर सेहत के लिए कई तरह से हानिकारक होती है। अब इस बात पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने भी मुहर लगा दी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशियन ने कुछ समय पहले भारतीयों की डाइट को लेकर 17 गाइडलाइन्स की एक ज्वाइंट रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें से एक गाइडलाइन में भारतीयों को एक दिन में कितनी शुगर लेनी चाहिए, इसका जिक्र किया गया है।

एक दिन में कितनी चीनी का सेवन करना चाहिए?

अगर एक सामान्य एडल्ट प्रति दिन 2000 कैलोरी लेता है और इसका 5 परसेंट यानी 25 ग्राम शुगर इन्टेक करता है तो वह हाई शुगर कहलाता है। अगर इसे सामान्य भाषा में समझें 20-25 ग्राम शुगर का एक दिन में सेवन किया जा सकता है।

संभव रहे तो चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना चाहिए। क्योंकि इसमें कैलोरी के अलावा किसी भी तरह के न्यूट्रिशियन शामिल नहीं होते हैं। कैलोरी शरीर के लिए तभी फायदेमंद होती है जब विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर के साथ ली जाए।

डाइट से एडेड शुगर हटाना फायदेमंद!

रिपोर्ट के मुताबिक, एडेड शुगर को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना फायदेमंद होता है। एडेड शुगर में चीनी, गुड़, ग्लूकोज, फरूक्टोज, डेक्सट्रोज, शुगर सिरप आदि चीजें आती हैं। किसी भी चीज में शुगर को मिलाकर खाना सेहत के लिए किसी भी तरह से बेहतर नहीं होता है क्योंकि इससे शरीर में सिर्फ कैलोरी बढ़ती है। चीनी के बहुत सारे नुकसान होते हैं।

क्या नेचुरल शुगर है सेफ?

रिपोर्ट में फलों और दूध में पाई जाने वाली शुगर को नेचुरल बताया है। फलों और खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से मौजूद रहने वाली शुगर को एक्सपर्ट भी सेफ मानते हैं. लेकिन सभी फलों और खाने की चीजों में मौजूद शुगर आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं होती है। मेडिकल बॉडी ने अपनी रिपोर्ट में गन्ने के जूस को सेहत के लिए हानिकारक माना है। गन्ने के जूस में शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह आपको बीमार कर सकती है। 100 द्रव्य के गन्ने के जूस में 15 ग्राम शुगर होती है, ऐसे में इसका अधिक सेवन आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। शरीर में अत्यधिक शुगर से कई बीमारियों को न्योता मिल सकता है।

रिपोर्ट में सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन पर भी ऐतराज जताया गया है. मेडिकल बॉडी का मानना है कि सॉफ्ट ड्रिंक्स में सिर्फ हाई शुगर कंटेंट होता और न्यूट्रिशियनल वेल्यू ना के बराबर होती हैं। ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन से मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज, दांतों की समस्या और दिल की बीमारी भी हो सकती है। साथ ही सॉफ्ट ड्रिंक्स पानी और फ्रेश फ्रूट्स की जगह नहीं ले सकते हैं, ऐसे में उन्हें जितना हो सके इनका सेवन करने से बचना चाहिए। सॉफ्ट ड्रिंक्स की जगह छाछ, नींबू पानी, बिना चीनी वाले फ्रूट जूस और नारियल पानी के सेवन की सलाह दी गई है। जूस से ज्यादा फलों के सेवन पर भी जोर दिया है। रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है कि फ्रूट फाइबर और न्यूट्रियंट वेल्यू की वजह से ज्यादा सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

गाइडलाइन्स में भारतीयों की हेल्दी डाइट पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में हरी सब्जियों के अत्याधिक सेवन की बात की गई है और डाइट से प्रोसेस्ड फूड, पैक्ड जूस, सॉफ्ट ड्रिंक को हटाने की सलाह दी गई है। साथ ही चाय और कॉफी के सेवन को भी कम करने की बात की गई है, क्योंकि इसमें कैफीन होता है जो सेहत के लिए हानिकारक साबित साबित हो सकता है।

सर्दी और जुकाम की होगी छुट्टी अगर करेंगी इन हर्ब्स का सेवन

यह मौसम ऐसा है जब हर दूसरे व्यक्ति का गला खराब होगा, जुकाम या खांसी होगी। ऐसे में कुछ हर्ब्स अपने पास जरूर रखें जो इससे राहत दिला सकती है। शरीर में दर्द, बुखार, ठंड लगना और नाक बंद होना यह एक आम समस्या है।

ऐसे में बहुत से लोग तुरंत डॉक्टरों के पास भागते हैं और दवाइयों से इलाज लेते हैं। कई बार मौसमी सर्दी, जुकाम और खांसी के लिए इन दवाइयों को जरूरत भी नहीं होती है।

डॉक्टर जो दवाइयां हमें देते हैं वो एंटीबायोटिक्स होती हैं, जिनका प्रॉपर कोर्स पूरा करना बहुत जरूरी है। कुछ लोग इसे 1-2 बार खाकर ही छोड़ देते हैं और फिर बीमार पड़ने पर उन्हें लेने लगते हैं। यदि आप अक्सर एंटीबायोटिक्स लेते हैं, तो आपका शरीर एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे एंटीबायोटिक्स कम प्रभावी हो सकते हैं। अब ऐसे में घरेलू उपचार की मदद ली जा सकती है। कुछ हर्ब्स ऐसी हैं जिनके सेवन से कोल्ड, फ्लू और कफ में बड़ा आराम मिल सकता है। सर्दियों में तो ये हर्ब्स आपके किचन में भी मौजूद होनी चाहिए, ताकि जब भी आपको सर्दी और जुकाम लगे तो आपको तुरंत आराम मिल सकता है। हां अगर आप कुछ हफ्तों के बाद भी बीमार महसूस करते हैं, तो अपने डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

लहसुन

लहसुन में यौगिक एलिसिन होता है, जिसमें रोगाणुरोधी गुण हो सकते हैं। इसके एंटीवायरल गुण सर्दी के लक्षणों की गंभीरता कम हो सकती है। कुछ शोधों के अनुसार, यह आपको पहली बार में बीमार होने से बचाने में भी मदद कर सकता है। आप लहसुन को भूनकर खाने के साथ ले सकते हैं या फिर खाना बनाते वक्त इसे शामिल करें। लहसुन की तासीर गर्म होती है तो यह आपके शरीर को गर्माहट भी पहुंचाता है और पाचन तंत्र को भी बेहतर करता है।

थाइम

थाइम में एंटीवायरल, एंटीबायोटिक, रोगाणुरोधी, डीकॉन्गेस्टेंट, एक्सपेक्टोरेंट कायाकल्प गुण होते हैं जो आपको सर्दी या फ्लू से लड़ने या कम करने में मदद करते हैं। थाइम प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत कर सकता है। इसकी चाय बनाकर उसका सेवन किया जा सकता है और आप इसमें अदरक भी डाल सकती हैं, ताकि आपके गले को भी राहत मिले। यह खांसी में आराम देगा और नेजल कंजेशन को भी खोलने में मदद करता है ।

रोजमेरी

रोजमेरी एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो सदियों से सर्दी और गले की खराश से राहत दिलाने में उपयोग में लाई जाती है। इसके एंटी-वायरल और एंटी-माइक्रोबियल गुण सिरदर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में डालकर उबालने और भाप लेने से नाक और छाती के जमाव साफ हो सकता है। इसे चाय में डालकर पीने से आपको दर्द में भी आराम मिलेगा और खराश में भी कमी होगी है। यह सर्कुलेटरी सिस्टम को स्टीमुलेट करके ब्रेन में ब्लड फ्लो करने में हेल्प करता है।

तुलसी

तुलसी एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो खांसी, जुकाम और फ्लू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती है। इसका सेवन करने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे सलाद, सूप और यहां तक कि दालों पर गार्निश के रूप में इस्तेमाल किया जाए। यह ब्रोंकाइटिस, इन्फ्लुएंजा और अस्थमा से राहत दिलाता है, वहीं इसकी पत्तियों को चबाने से सर्दी से राहत मिलती है।

युवा आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे, 2047 में विकसित भारत का नेतृत्व करेंगे: विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन पर्व के तहत चिरायु मेडीकल कॉलेज, आरकेडीएफ कॉलेज के छात्रों से संवाद कर दिलाई सदस्यता।

भोपाल(निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन पर्व के तहत शनिवार को चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं आरकेडीफ कॉलेज के छात्रों को सदस्यता दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बीते 10 सालों में देश का परिदृश्य बदल दिया है। प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि 2047 के विकसित भारत का नेतृत्व आज की युवा पीढ़ी ही करेगी, इसलिए 1 करोड़ क्रिएटिव और इनोवेटिव युवाओं को जोड़ने की बात कही है। यहां उपस्थित सभी युवाओं से मेरा आग्रह है कि वे विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए आगे आएं। भाजपा से जुड़ें तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं भारतीय जनता पार्टी के विचार को समर्थन दें। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने महाराणा प्रताप नगर जोन-2 स्थित औरस एकेडमी में युवाओं से संवाद करने के पश्चात न्यू मार्केट पहुंचकर लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

हमारे लिये देश प्रथम, देश के नेतृत्व के लिए आगे आएं युवा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि दुनिया में कम्युनिज्म दम तोड़ चुका है और अमेरिका ये महसूस करने लगा है कि पूंजीवाद के सहारे चला नहीं जा सकता। ऐसे में आज सारी दुनिया पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद और अंत्योदय की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है, इन्हें अपना रही है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के इन्हीं विचारों पर चलकर भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। हमारे लिए राष्ट्र प्रथम है। श्री शर्मा ने कहा कि विकसित भारत तथा विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की सरकार और विचारों की जरूरत है। युवा पीढ़ी भाजपा के विचार से जुड़कर भाजपा तथा प्रधानमंत्री श्री मोदी के हाथ मजबूत कर सकती है। एक तरफ दुनिया के अन्य देशों में जहां बुजुर्गों की संख्या बड़ रही है, वहीं भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। यही वजह है कि आज सारी दुनिया भारत की ओर देख रही है और भारत दुनिया का नेतृत्व करने के लिए आगे बड़ रहा है। शिकागो में धर्मसभा में युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 18 से 25 वर्ष तक के ऐसे 1 करोड़ युवाओं को जोड़ने का संकल्प लिया है, जो क्रिएटिव हों, इनोवेटिव हों और पॉजीटिव सोच वाले हों। आज के युवा ही राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक दुनिया के सबसे युवा देश का नेतृत्व करेंगे। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का यही संदेश लेकर आपसे मिलने आया हूं।

मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारत को पहले सांप-संपेरों का आडंबरबाजों का देश कहा जाता था। अमेरिका आज हमारे प्रधानमंत्री जी के स्वागत में रेड कार्पेट बिछाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति वर्तमान दौर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ सेल्फी लेते हैं। आज भारत यूक्रेन में पड़ रहे अपने छात्रों को भारत लाने के लिए रशिया-यूक्रेन युद्ध को रुकवा देता है। पहले हमारे प्रधानमंत्री अगर अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर जाते थे, तो चाइना आंखें दिखाता था तो प्रधानमंत्री अपना दौरा कैंसल कर देते थे। लेकिन आज हमारे प्रधानमंत्री जी जब चाहें और जहां चाहें, दौरे पर जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब एक गरीब परिवार के बेटे श्री नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने कहा कि पैसे की कमी के कारण कोई गरीब इलाज से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लांच की, जिसमें पांच लाख रुपये तक मुफ्त उपचार की सुविधा है। प्रधानमंत्री जी एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार देने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के गांव गए, तो उन्होंने वो झोपड़ी देखी, जिसमें पं. उपाध्याय जी का बचपन बीता था। उन्होंने संकल्प लिया कि देश का कोई गरीब अब झोपड़ी में नहीं रहेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की। नए एयरपोर्ट तथा हाईवे और सड़क कनेक्टिविटी की सुविधाएं बड़ रही हैं। मेडिकल कॉलेज और एम्स खोले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं के कारण देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जिनमें मध्यप्रदेश के भी 2.5 करोड़ शामिल हैं।

डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा

फाइल फोटो

एमपी नगर में अफरातफरी का तजुर्बा प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ब्रिज का मंसूबा

सड़क के ऊपर सात सौ मीटर का सेतु बनेगा

भोपाल (नगर प्रतिनिधि)।

राजधानी में यातायात के लिये ठोस प्लान नहीं होने की वजह से बीते कुछ साल से सड़कों पर काफी गफलत व वाहन चालकों की फजीहत की नौबतें हैं। इसकी वजहें नये निर्माण के लिये सभी सरकारी एजेंसियों में तालमेल का अभाव भी और अपने अपने स्तर पर प्लानिंग भी है। इसका उदाहरण हबीबगंज से एमपी नगर तक की सड़क है, जहां मुख्य सड़क के आसपास मेट्रो व वाहनों के लिए अलग-अलग ब्रिज बने हैं, इसलिए अब व्यस्त रहने वाले प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक सिस्टम का खाका खींचा गया है। इसके लिए डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा। स्थानीय विधायक व मंत्री विश्वास सारंग ने मेट्रो, जिला प्रशासन, पुलिस, बिजली कंपनी और नगर निगम के अफसरों के साथ जगह का निरीक्षण भी कर लिया है। उन्होंने कहा, फ्लाईओवर ब्रिज का काम 8-9 महीने में पूरा होगा। काम के समन्वय के लिए एक टीम बनाई है। इसके बाद भोपाल रेलवे स्टेशन समेत कई इलाकों में आसानी से पहुंचा जा सकेगा।

दरअसल, प्रभात चौराहे पर मेट्रो ब्रिज और आरओबी प्रस्तावित है। इसके इससे नए भोपाल और भेल के लोगों को राहत बड़ी मिलेगी। वे रेलवे स्टेशन तक आसानी से पहुंच जाएंगे। इस क्षेत्र के लिए भी यह ब्रिज फायदेमंद साबित होगा। अभी प्रभात चौराहे पर जबर्दस्त ट्रैफिक जाम होता है। इसलिए यहां डबल डेकर फ्लाई ओवर ब्रिज बनेगा। खास बात यह कि यह थ्री टियर होगा। यानी, नीचे की सड़क पर गाड़ियां दौड़ेंगी। फ्लाईओवर ब्रिज से ट्रैफिक गुजरेगा। इसके ऊपर से मेट्रो चलेगी। फिर मेट्रो भी इस रूट पर आएगी।

11 महीने पहले से मंजूरी: दरअसल, इस ब्रिज को सरकार करीब 11 महीने पहले मंजूरी दे चुकी है। अब काम की शुरुआत होगी। सारंग ने अब काम जल्दी कराने पर जोर दिया। जानकारी के अनुसार- प्रभात चौराहे पर बनाए जाने वाले ब्रिज पर करीब 44.10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये 650 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा होगा।

मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड रूट

भोपाल में मेट्रो के 3.39 किमी के अंडरग्राउंड रूट पर मिट्टी की टेस्टिंग शुरू हो गई है। अगले 1 महीने के अंदर यह काम भी पूरा हो जाएगा। इस टेस्टिंग में पता लगाया जा रहा है कि नीचे की तरफ कितनी पथरीली जमीन या पानी है। इस हिसाब से अंडरग्राउंड रूट पर काम शुरू होगा। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के पास खाली मैदान पर ही टर्नल बोरिंग मशीन से अंडरग्राउंड रूट की खुदाई होगी। यह मशीन मिट्टी की टेस्टिंग के बाद पहुंचेगी। यही मशीन 3.39 किमी अंडरग्राउंड रूट की खुदाई करेगी। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 के पास मेट्रो स्टेशन बनेगा। मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज सुभाष नगर से करोंद तक 8.77 किमी लाइन बिछाने में कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें 8 मेट्रो स्टेशन भी है, जबकि 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड होगा और इसी में 2 मेट्रो स्टेशन भी रहेंगे।

शहर में रोजाना बढ़ रहा ई-वेस्ट निष्पादन के बेहतर इंतजाम नहीं

कलेक्टर-नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल (नगर प्रतिनिधि)।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के 14 सहित प्रदेशभर के 44 मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। पहला मामला भोपाल शहर में ई-वेस्ट बढ़ने और एजेंसियों के पास निष्पादन के बेहतर इंतजाम नहीं होने का है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ई-वेस्ट निष्पादन के लिये क्या प्रबंध किये गये है, इस संबंध में एक माह में प्रतिवेदन मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि भोपाल में लगातार ई-व्हीकल की बिक्री बढ़ रही है और इसके साथ-साथ ही ई-वेस्ट भी बढ़ रहा है। सामान्य कचरे के साथ इसका निष्पादन खतरनाक है और शहर की जिम्मेदार एजेंसियों के पास ई-वेस्ट के निष्पादन के कोई ठोस इंतजाम तक नही है। इस कारण ई-वेस्ट के कारण शहरवासियों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और खतरनाक साबित भी हो सकता है। इसका निष्पादन होना अति आवश्यक है।

बारिश में बहकर बड़ी झील में मिल रहा सीवेज सिल्ट: भोपाल शहर के खानूगांव स्थित रिजवान बाग एरिया में सीवेज पंप हाउस के पास कचरा, मलबा और सीवेज सिल्ट डंप किए जाने का मामला सामने आया है। खुले में कचरा, मलबा और सीवेज सिल्ट डंप किये जाने के कारण वह बारिश में बहकर बड़े तालाब में मिल रहा है। इस कारण बड़े तालाब का पानी दूषित हो रहा है। इसी बड़े तालाब के पानी से शहर के कई इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई की जाती है। आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है।

सीवेज टैंक टूटे, हादसे की आशंका: भोपाल जिले के महाराणा प्रताप नगर जोन- 01 में रेलवे लाइन के बगल में सड़क किनारे बना सीवेज टैंक के टूटे पड़े होने का मामला सामने आया है। सीवेज टैंक टूटे पड़े होने के कारण वहा मच्छर पनप रहे है और खुले पड़े टैंक से हादसा होने की भी आशंका जताई जा रही है। आयोग ने आयुक्ड़त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है।

चौराहे पर सिग्नल और ट्रैफिक पुलिस न होने के कारण जाम में फंस रहे वाहन: भोपाल शहर के प्रगति चौराहे से लेकर अरेरा कॉलोनी स्थित गणपति तिराहे के बीच ट्रैफिक सिग्नल और ट्रैफिक पुलिस न होने के कारण चौराहे एवं तिराहे पर जाम के हालात बनने का मामला सामने आया है। इस कारण दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को जाम में फंसे रहना पड़ रहा है और इस बीच उन्ड़हें कई तरह की परेशान का सामना भी करना पड़ रहा है। आयोग ने कमिश्नर, नगर निगम, भोपाल एवं डीसीपी, ट्रैफिक से प्रगति चौराहा पर सुरक्षित परिवहन हेतु क्ड़या व्ड़यवस्ड़था है, क्या वहां पर सिग्नल लगाया जाना प्रस्तावित है, इस संबंध में कार्यवाही कराकर तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है।

मैदान को बना दिया कचरे का डंपिंग यार्ड: अशोका गार्डन क्षेत्र स्थित दशहरा मैदान में निगम के कर्मचारी द्वारा कचरे को डंप किये जाने का मामला सामने आया है। साथ ही मैदान में ही वाहन खड़ा किया जा रहा है। मैदान में कचरा डंप किये जाने के कारण पूरे क्षेत्र में गंदगी और बदबू फैल रही है। जिससे क्षेत्र के आसपास में रहने वाले लोगों को बदबू और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

राज्य सरकार रंगमंच और साहित्य को बड़ावा देने हमेशा साथः मंत्री सारंग

अपर संचालक जनसम्पर्क श्री वाधवा को मिला डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान

भोपाल (नप्र)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि राज्य सरकार रंगमंच और साहित्य को बड़ावा देने के लिये हमेशा साथ है। वह कदमताल करते हुए संस्कृति संरक्षण, भविष्य की आशाओं और समाज को दिशा देने वाले दायित्वों के निर्वहन में लगे लोगों का हमेशा सम्मान करती रहेगी। मंत्री सारंग डॉ. राजेन्द्र कुमार जनसम्पर्क एवं पत्रकारिता संस्थान भोपाल द्वारा शहीद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में इस वर्ष का डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान जनसम्पर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा को दिया गया। मंत्री सारंग ने कहा कि कोई भी सम्मान प्राप्त करना बहुत कठिन है, इसमें अपेक्षा रहती है कि व्यक्ति सम्मान को बनाये रखने के लिये और बेहतर काम करता रहे। संस्थान द्वारा हर वर्ष ऐसे मेहनती और लगनशील लोगों को चुनना भी बड़ी चुनौती है जिसका बेहतर निर्वहन लगातार संस्थान द्वारा किया जा रहा है। सारंग ने अपर संचालक जी.एस. वाधवा को शॉल-श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। वरिष्ठ पत्रकार श्री गिरिजाशंकर, निराला सृजन पीठ की निदेशक और वरिष्ठ लेखिका डॉ. साधना बलवटे, वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अभिनेता राजीव वर्मा, संस्थान के अध्यक्ष विनोद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

ड्रोन संचालन पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम कार्यशाला

ड्रोन चलाने व कानून को समझा छात्राओं ने

हिरदाराम नगर,

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के सार्टिफिकेट कोर्स समिति, आई.आई.सी, ई-सेल, कंप्यूटर साइंस विभाग और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया ने संयुक्त रूप से 30-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। बी.ई.सी.आई.एल. के प्रशिक्षक अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिन्होंने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाई। इस पाठ्यक्रम में ड्रोन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें उड़ान गतिकी, हार्डवेयर घटक, सॉफ्टवेयर एकीकरण, और भारत में ड्रोन संचालन से संबंधित कानूनी ढांचा शामिल था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने शैक्षिक सत्र में नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है। पाठ्यक्रम का समापन परीक्षा और एक लाइव ड्रोन उड़ान प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें छात्रओं ने अपने नवीन कौशल का प्रदर्शन किया।

करंट से घायलों को देखने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ग्वालियर के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे

भोपाल/ग्वालियर। ग्वालियर में शनिवार को बिजली की लाईन से करंट लगने के कारण किला गेट के समीप कोटेश्वर कॉलोनी में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलने पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तुरन्त जयारोग्य चिकित्सालय स्थित ट्रामा सेन्टर पहुंचे तथा सभी घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस घटना में कोटेश्वर कॉलोनी निवासी श्रीमती पुष्पा राठौर उनका बेटा श्री राजेन्द्र राठौर और बहू श्रीमती गायत्री राठौर घायल हो गए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने घायल हुए एक ही परिवार के तीनों सदस्यों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं मुहैय्या कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तीनों घायलों को इलाज के लिए 40-40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने ग्वालियर में सफाई मित्रों को किया सम्मानित

भोपाल(निप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत शनिवार को लक्ष्मण तलैया पर चलाए गए विशेष सफाई अभियान में शामिल हुए। उन्होंने लक्ष्मण तलैया तथा मौनी बाबा आश्रम में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। साथ ही तीन सफाई मित्रों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वरिष्ठ सफाई मित्र को दो हजार रुपए एवं अन्य दो सफाई मित्रों को एक-एक हजार का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

शुद्धि-पत्र

ई-टेण्डर नोटिस सं. स एण्ड टी-प्रोजेक्ट जेपी-2024-25-02 दिनांक 19.09.2024 कार्य का नाम- उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मण्डल, अजमेर मण्डल और जोधपुर मण्डल में एलटीई/यूएचएफ और टीसीएएस कार्य के सम्बध में लेटीस टावरों को लगाने का प्रावधान। "ई- एन आई टी में सुधार किया गया है जो कि ireps.gov.in पर उपलब्ध है।"

1096-PS/24 उप मु.सिंग. एवं दू.सं. इंजी./परि. जयपुर

पश्चिम मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता / गति शक्ति / पश्चिम मध्य रेल भोपाल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए उनके समक्ष दर्शाई गई दिनांक 16.10.2024 को 15:30 बजे तक ई-टेन्डर आमंत्रित करते है, जो उसी दिनांक को 15:30 बजे खोली जायेगी। संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं उप मुख्य अभियंता / गति शक्ति / पश्चिम मध्य रेल भोपाल के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस टेन्डर के लिये कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है तथा ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है, तो भी वह मान्य नहीं किया जायेगा। इस निविदा में कोई आवश्यक संशोधन, यदि जरूरी हो, तो वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा, तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाया जायेगा। जिसे टेन्डर बंद होने के दिन तक देखा जा सकता है। **(1) निविदा सूचना संख्या:** DY.CE-GSU-BPL-OT-21-2024, **दिनांक:** 20.09.2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के बीना-भोपाल खंड में सोरई-सुमेर स्टेशनों के बीच कि.मी. 896/28-30 पर समपार संख्या 273 के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 23,85,11,906.79/- **निविदा की बयाना राशि:** ₹ 13,42,600/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** निल **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 16.10.2024.

उप मुख्य अभियंता (गति शक्ति), प.म.रे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादकः हरीश चन्द्र यादव द्वारा नैन्सी प्रिंटर्स 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड़, जिन्सी जहांगीराबाद भोपाल 462008 म.प्र. से मुद्रित कर 136, विनीत कुंज, बी-सेक्टर कोलार रोड़ भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। संपादकः हरीश चन्द्र यादव मो.8871194648, समूह संपादक- डा. आनंद प्रकाश शुक्ला, प्रबंध संपादक- मिथिलेश मिश्रा (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय भोपाल रहेगा।) Email-pradeshkagaurav2011@gmail.com; RNI No-MPHIN/2011/41657